दैनिक

पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 1 ■ अंक : 163

ग्वालियर, बुधवार, 02 मार्च, 2022

पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

यूक्रेन संकट: राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिले पीएम मोदी, 'ऑपरेशन गंगा' पर की बात

नई दिल्ली। यूक्रेन में रूस के आक्रमण को चलते वहां फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए 'ऑपरेशन गंगा' चल रहा है। इस प्रक्रिया को तेज करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते 24 घंटे में दो बार हाई लेवल मीटिंग कर रणनीति बनाई। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और उन्हें यूक्रेन संकट समेत कई मुद्दों पर जानकारी दी। रूस के हमले के बाद यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्रों को निकालने के लिए अब केंद्रीय मंत्रियों को मोर्चे पर लगाया जा रहा है। केंद्र सरकार ने सोमवार को फैसला किया कि केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी, ज्योतिरादित्य सिंधिया, किरेन रिजिजू और वीके सिंह इस अभियान में समन्वय करने और छात्रों की मदद के लिए यूक्रेन के पड़ोसी देशों में जाएंगे। सरकारी सूत्रों ने बताया कि ये मंत्री भारत के 'विशेष दूत' के तौर पर वहां जाएंगे। सिंधिया भारतीयों को यूक्रेन के निकालने के अभियान के लिए समन्वय का काम रोमानिया और मोल्दोवा से संभालेंगे, जबकि रिजिजू स्लोवाकिया जाएंगे।

सूत्रों ने बताया कि पुरी हंगरी जा रहे हैं और जनरल वीके सिंह भारतीयों को निकालने का प्रबंध करने के लिए पोलैंड जाएंगे। यह फैसला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में किया गया। अब पीएम मोदी ने इसे लेकर रोमानिया और स्लोवाक रिपब्लिक के प्रधानमंत्रियों से फोन पर बात की है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक, पीएम मोदी ने रोमानिया के प्रधानमंत्री निकोलाई सिउका से सोमवार को फोन पर बात की है। पीएम मोदी ने रोमानिया के प्रधानमंत्री से यूक्रेन से भारतीय छात्रों को निकालने को लेकर चर्चा की और सहयोग की सराहना भी की। पीएम मोदी ने कहा कि भारत, भारतीय छात्रों को बगैर वीजा के प्रवेश और स्पेशल फ्लाइट्स को अनुमति देने के कदम के लिए रोमानिया की सराहना करता है। पीएम मोदी ने स्लोवाक गणराज्य के पीएम एडवर्ड हेगर से भी फोन पर बात की और यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने में उनके देश की ओर से मिल रहे सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। पीएम मोदी ने स्लोवाक पीएम से अगले कुछ दिनों तक यूक्रेन से निकालने में सहयोग जारी रखने की अपील की।

केजरीवाल की केंद्र से अपील- यूक्रेन में फंसे भारतीयों को जल्दी स्वदेश लाएं

नई दिल्ली। यूक्रेन-रूस जंग के चलते दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने वहां फंसे भारतीयों को यथाशीघ्र सुरक्षित स्वदेश वापस लाने और उन्हें हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने की केंद्र सरकार से मंगलवार को अपील की। केजरीवाल की यह टिप्पणी मीडिया की उस खबर के बाद आई, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वहां दूतावास से कथित तौर पर उपयुक्त मदद नहीं मिल पा रही है। केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा, 'यूक्रेन में विषम परिस्थितियों के बीच भारतीय छात्र एवं नागरिक कठिन स्थितियों का सामना कर रहे हैं। भारत सरकार से आग्रह है कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को सभी प्रकार के सहयोग उपलब्ध कराकर जल्द से जल्द स्वदेश वापस लाया जाए। दिल्ली सकार सभी प्रकार के सहयोग के लिए केंद्र सरकार के साथ है।' उन्होंने ट्वीट के साथ उस खबर को भी संबद्ध किया है, जिसमें कहा गया है कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को भारतीय दूतावास से आवश्यक सहयोग नहीं मिल पा रहा है। भारत ने यूक्रेन में फंसे कम से कम 14,000 भारतीयों को सकुशल वापस लाने के लिए 26 फरवरी से अपना अभियान शुरू किया है।

6 मई सुबह 6 बजकर 25 मिनट पर खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

नई दिल्ली। द्वादश ज्योतिर्लिंगों में अग्रणी व पर्वतराज हिमालय की गोद में बसे भगवान केदारनाथ के कपाट खोलने और पंचमुखी चल विग्रह उत्सव डोली के ऊखीमठ से कैलाश रवाना होने की तिथि महाशिवरात्रि पर घोषित की गई है। शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर में रावल भीमाशंकर लिंग, मन्दिर समिति के पदाधिकारियों और विद्वान आचार्यों की मौजूदगी में पंचाग गणना के अनुसार तिथि घोषित की गई है। मंदिर के कपाट 6 मई प्रातः 6 बजकर 25 मिनट पर खुलेंगे। केदारनाथ की डोली शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर से 2 मई को रवाना होगी। इसके बाद 3 मई को बाबा की डोली फाटा पहुंचेगी, 4 मई को गौरीकुंड और 5 मई को केदारनाथ में रात्रि प्रवास करेगी। मंदिर समिति द्वारा कपाट खोलने की तिथि घोषित होने की सभी तैयारियां पहले से ही पूरी कर ली गई थीं। महाशिवरात्रि के मौके पर भगवान केदारनाथ के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मन्दिर को 8 क्विंटल फूलों से सजाया गया है। वहीं शिवरात्रि से पहले केदारनाथ मंदिर का श्रृंगार बर्फ ने किया है। इस शिव धाम में पांच फीट तक बर्फ पड़ी है और केदारनाथ धाम में चारों और सिर्फ बर्फ ही बर्फ है। महाशिवरात्रि पर भगवान केदारनाथ के कपाट खोलने की तिथि तो घोषित हो गई है, लेकिन कोरोना गाइडलाइन का सख्ती से पालन करने को कहा गया है।

यूक्रेन-रूस जंग- खारकीव में बमबारी में भारतीय छात्र की मौत

रूस-यूक्रेन के राजदूतों का भारत ने तलब किया

नई दिल्ली। यूक्रेन में रूस के आक्रमण छठवें दिन भी लगातार जारी है। यहां के खारकीव शहर में एक हवाई हमले में एक भारतीय छात्र की मौत हो गई है। यह जानकारी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने दी है। मंगलवार को रूसी हमले में मारे गए भारतीय छात्र का नाम नवीन है। वह कर्नाटक का रहने वाला था। आज सुबह से रूस ने यूक्रेन के सभी बड़े शहरों में हमले तेज कर दिए हैं। कीव की तरफ रूसी सेना का बड़ा काफिला तेजी से बढ़ रहा है। अरिंदम बागची ने कहा कि यह बताते हुए मुझे बड़ा दुख है कि खारकीव में जो हवाई हमले हो रहे हैं, उसमें एक भारतीय छात्र की मौत हो गई है। फिलहाल मंत्रालय छात्र के परिवार के साथ संपर्क में है। परिवार के साथ हमारी संवेदनाएं हैं। घटना को लेकर भारतीय दूतावास ने यूक्रेन और रूस के राजनायिकों को तलब किया है। बागची ने आगे जानकारी दी है कि भारतीय विदेश सचिव रूस और यूक्रेन के राजदूतों से संपर्क में हैं। इसमें यह मांग उठाई गई है कि भारतीय छात्रों और नागरिकों को निकलने के लिए सुरक्षित रास्ता दिया जाए क्योंकि कई छात्र अभी खारकीव और अन्य शहरों में फंसे हुए हैं। यूक्रेन की राजधानी कीव में बिगड़ती स्थिति के बीच आज ही भारतीय दूतावास ने सख्त एडवाइजरी जारी की थी। इसमें कहा गया था कि सभी भारतीय नागरिक और छात्र कीव को जल्द से जल्द छोड़ दें। एडवाइजरी में लिखा था कि कीव छोड़ने के लिए जो साधन उनको मिले उसे तुरंत पकड़कर वे निकल लें। इसमें ट्रेन, बस आदि से ट्रैवल करने की सलाह दी गई थी। बता दें कि यूक्रेन में करीब 20 हजार भारतीय लोग मौजूद थे, जिनमें से ज्यादातर वहां मेडिकल की पढ़ाई करने गए थे। इनमें से चार हजार से ज्यादा लोग वापस भारत आ चुके हैं, बाकियों को निकाला जा रहा है। मोदी सरकार ने इसके लिए ऑपरेशन गंगा की शुरुआत की है। बता दें कि ऑपरेशन गंगा की आठवीं फ्लाइट बुडापेस्ट (हंगरी) से दिल्ली के लिए मंगलवार को ही रवाना हुई है। इससे पहले आज यूक्रेन से एक फ्लाइट 182 भारतीय छात्र को लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पहुंची थी। भारतीयों को फिलहाल यूक्रेन के पड़ोसी देशों की मदद से उनकी सीमओं के रास्ते निकाला जा रहा है। सोमवार को मोदी सरकार ने इस काम को और तेजी से करने के लिए चार मंत्रियों को जिम्मेदारी दी थी। इसमें किरेन रिजिजू स्लोवाकिया जा रहे हैं। इसके अलावा वीके सिंह पोलैंड जाएंगे। वहीं ज्योतिरादित्य सिंधिया रोमानिया और मोलदोवा जाएंगे। इसके अलावा हरदीप सिंह पुरी हंगरी रवाना होंगे। सूत्रों के मुताबिक, ऑपरेशन गंगा के तहत भारतीय नागरिकों को निकालने का काम और तेजी से होगा। इसके लिए प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय वायु सेना को भी इस ऑपरेशन से जुड़ने के लिए कहा है। वायु सेना के हवाई जहाजों के जुड़ने से भारतीयों के लौटने की प्रक्रिया गति पकड़ेगी, और उनकी संख्या में भी वृद्धि होगी। साथ ही साथ, भारत से भेजी जा रही राहत सामग्री भी और तेजी से पहुंचेगी। भारतीय वायु सेना के कई सी-17 विमान आज ऑपरेशन गंगा के तहत उड़ान शुरू कर सकते हैं।

यूक्रेन की राजधानी कीव के हालात बेहद खराब, रूसी सेना कभी भी कीव पर कर सकती है कब्जा

दुनिया ने तुरंत युद्ध विराम की अपील की

कीव। यूक्रेन पर रूसी हमला से बम धमाकों के कोहराम ने अब तक 350 से अधिक नागरिकों की जान ले ली है। नवीनतम उपग्रह से ली गई तस्वीरों में कीव जाने वाले 40 मील लंबे रूसी काफिले का खुलासा किया है। यूक्रेन ने कहा है कि वार्ता के लिए उनका लक्ष्य तत्काल युद्धविराम था, जबकि रूस के व्लादिमीर पुतिन ने ने इसे ठुकरा दिया है। जर्मनी, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे कई देशों ने यूक्रेन को सैन्य सहायता भेजने का फैसला किया है। इस बीच, भारत ने सोमवार को हुई यूएनएचआरसी की बैठक में फिर से मतदान से परहेज किया। खारकीव में रूसी सेना ने जमकर तबाही मचाई है। खारकीव यूक्रेन का दूसरा बड़ा शहर है खबर है कि खारकीव में रूसी हमले में एक भारतीय छात्र की मौत हो गयी है। यूक्रेन की राजधानी कीव के हालात काफी खराब हो गये हैं। रूसी सेना कभी भी कीव पर कब्जा कर सकती है। कीव में लगातार बमबारी जारी है। वहां मौजूद लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए कहा गया है। यूक्रेन की राजधानी कीव को रूसी सेना चारों तरफ से घेर चुकी है। रूस ने यूक्रेन के खिलाफ काफी आक्रामक रूख अपना लिया है। लगातार यूक्रेन के रिहायसी इलाकों और सरकारी इमारतों पर बम गिराये जा रहे हैं।

गर्भावस्था के दौरान माता-पिता के साथ रहना तलाक का कारण नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि गर्भावस्था के दौरान अगर कोई महिला ससुराल के बजाय अपने माता-पिता के साथ रहती है, तो यह तलाक का आधार नहीं हो सकता। इसे उसका पति 'क्रूरता की श्रेणी' में नहीं रख सकता। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केएम जोसेफ और ऋषिकेश रॉय की बेंच ने यह सुनाया है।शीर्ष अदालत ने कहा यह बहुत स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता की पत्नी गर्भवती थी। इसलिए वह अपने माता-पिता के घर चली गई। यह स्वाभाविक था। याचिकाकर्ता की पत्नी ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसकी गर्भावस्था और बच्चे का जन्म बड़ी मुश्किल से हुआ। इसीलिए अगर उसने बच्चे के जन्म के बाद कुछ और समय माता-पिता के पास रहने का फैसला किया, तो इसमें किसी को क्यों परेशानी होनी चाहिए। महज इसी आधार पर मामला तलाक के लिए अदालत में कैसे ले जाया जा सकता है। लेकिन पति ने यह नहीं सोचा।

उसने थोड़ा भी इंतजार नहीं किया। उसने यह भी नहीं सोचा कि वह एक बच्चे का पिता बन चुका है। इस तथ्य को नजरंदाज किया कि उसकी पत्नी के पिता का निधन हो गया और तलाक के लिए अदालत में याचिका लगा दी। इन स्थितियों को पत्नी की क्रूरता कैसे माना जा सकता है। हालांकि अदालत ने इस दंपति के तलाक को भी इस आधार पर मंजूरी दे दी कि दोनों का विवाह-संबंध अब मृतप्राय हो चुका है।

दोनों 22 साल से अधिक समय से अलग रह रहे हैं। पति भी दूसरी शादी कर चुका है। इसलिए बेहतर होगा कि इस रिश्ते को खत्म माना जाए। अदालत ने इस फैसले के साथ ही याचिकाकर्ता से कहा कि वह पूर्व पत्नी को 20 लाख रुपए का मुआवजा अदा करे। ये मामला तमिलनाडु का है। इसमें याचिकाकर्ता का विवाह 1999 में हुआ। इसके कुछ समय बाद ही गर्भवती होने पर उसकी पत्नी अपने माता-पिता के पास चली गई। वहां उसके बच्चे का जन्म अगस्त 2000 में हुआ। इसी बीच, फरवरी 2001 में उसके पिता का निधन हो गया। इस कारण वह कुछ अधिक समय तक ससुराल वापस नहीं लौट सकी। इसी आधार पर पति ने परिवार न्यायालय में तलाक के लिए याचिका लगा दी। साथ ही, अक्टूबर 2001 में दूसरी शादी भी कर ली। परिवार न्यायालय ने 2004 में उसका तलाक मंजूर किया। मद्रास हाईकोर्ट ने पत्नी की अपील पर सुनवाई करते हुए इस फैसले को पलट दिया। इसके बाद पति ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी।

अमूल के बाद पराग दूध की कीमतों में भी इजाफा ग्राहकों पर महंगाई का डबल अटैक

नई दिल्ली। अमूल दूध के बाद अब पराग कंपनी ने भी दामों में इजाफा कर दिया है। पराग कंपनी ने मंगलवार को जानकारी दी कि उसने गोवर्धन ब्रांड मिल्क की कीमत में 1 मार्च से ही रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया है। इससे पहले सोमवार को अमूल ब्रांड के दूध की कीमत में दो रुपये का इजाफा हुआ था। अब कुछ अन्य कंपनियों की ओर से भी कीमतों में इजाफा किया जा रहा है। पराग कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि अब तक गोवर्धन गोल्ड मिल्क जो 48 रुपये प्रति लीटर में मिलता था, वह अब 50 रुपये लीटर में बिकेगा। इसके अलावा गोवर्धन टोन्ड वैराइटीका दूध अब 48 रुपये में बिकेगा, जो अब तक 46 रुपये प्रति लीटर ही बिक रहा था। पराग मिल्क फूड्स के चेयरमैन देवेंद्र शाह ने कहा, कीमतों में इजाफा तीन साल के बाद किया जा रहा है। ईंधन की कीमत बढ़ने, पैकेजिंग, भाड़ा और चारा महंगा होने के चलते दूध का उत्पादन अब पहले से ज्यादा महंगा हो गया है। शाह ने कहा कि डेरी किसानों की लागत में तेजी से इजाफा हो रहा है। इसके चलते दूध के दाम में भी इजाफा करना पड़ रहा है। गर्मियों के मौसम में दूध की मांग में इजाफा हो जाता है। शाह ने कहा कि ऐसी स्थिति में किसानों की ओर से उत्पादन लगातार जारी रहे, इसके लिए कीमतों को बढ़ाना जरूरी हो गया था। कंपनी का कहना है कि उसके अपने मुनाफे में भी कटौती की है ताकि किसानों को ज्यादा से ज्यादा फायदा हो सके और वे अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित हों। अमूल और पराग की ओर से दूध की कीमतें बढ़ाए जाने के बाद अब मदर डेयरी जैसे ब्रांड्स भी कीमतें बढ़ाने का फैसला ले सकते हैं।

प्रियंका गांधी ने महाशिवरात्रि के मौके पर भगवान शिव के किए दर्शन

लखनऊ। देशभर में महाशिवरात्रि का त्योहार धूम धाम से मनाया जा रहा है। पूरे देश के शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं का तांता लगा हुआ है। वहीं इस मौके पर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी लखनऊ स्थित सिहारी शिव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन करने पहुंची। उन्होंने इस दौरान पूजा-अर्चना की। प्रियंका गांधी आम नागरिकों की तरह दर्शन के लिए लाइन में लगीं और अपना नबंर आने पर उन्होंने भगवान शिव की पूजा अर्चना की। प्रियंका गांधी ने पहले शिवलिंग पर जल चढ़ाया और सभी के सुख शांति की कामना की। इस दौरान प्रियंका के आसपास कई अन्य श्रद्धालु भी मौजूद रहे। बताया जा रहा है कि प्रियंका ने दर्शन के बाद मंदिर के बाहर मौजूद बच्चों से भी मुलाकात की। बता दें, प्रियंका गांधी यूपी चुनाव को लेकर जगह-जगह रैलियां कर रही हैं जिसके लिए प्रियंका दर्शन के बाद सिद्धार्थनगर रवाना हो गईं। बताते चले, महाशिवरात्रि को लेकर शिवालयों में सुबह से ही पूजा-पाठ के लिए लोगों की कतार लगी हुई है। जलाभिषेक किए जा रहे हैं। सभी मंदिरों में हर हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। कहीं दूध से जलाभिषेक किया जा रहा है तो भांग और धतूरे का भोग भी लगाया जा रहा है। लोग जलाभिषेक कर भगवान भोलेनाथ का ध्यान लगा रहे हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकाल मंदिर में सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी है। धूम धाम से पूजा पाठ किया जा रहा है। महाशिवरात्रि के शुभ मौके पर देश के कई जगहों पर भंडारे का भी आयोजन किया गया है।

खास खबर

कश्मीर लिंक पर विवाद की वजह से इल्कर अइसी ने अस्वीकार किया एयर इंडिया के सीईओ का पद

नई दिल्ली। एयर इंडिया के एमडी और सीईओ के लिए नामित किए गए इल्कर अइसी ने इस भूमिका को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है। अइसी ने अपने बयान में कहा मैं इस नतीजे पर पहुंचा हूं कि इस तरह के नैरेटिव की स्थिति में यह पद स्वीकार करना संभव या सम्मानजनक निर्णय नहीं होगा। गौरतलब है कि उनकी नियुक्ति गृह मंत्रालय से सुरक्षा मंजूरी के अधीन थी और उनके एक अप्रैल को या उससे पहले ड्यूटी पर आने की उम्मीद थी। उल्लेखनीय है कि इल्कर अइसी पर पाकिस्तान और अल कायदा से संबंध होने के आरोप लगे थे। अइसी ने कहा कि भारतीय मीडिया में उनकी नियुक्ति पर सवाल उठाए जा रहे हैं। वहीं आरआसएस से संबद्ध स्वदेशी जागरण मंच ने इस फैसले को लेकर एयर इंडिया की आलोचना की थी। अइसी करीब दो दशक पहले एर्दोआन के एडवाइजर रहे थे। तब एर्दोआन इस्तांबुल के मेयर थे। नवंबर 2018 में जब अइसी की शादी हुई तो उसमें एर्दोआन ने भी शिरकत की थी। एर्दोआन ने कश्मीर मुद्दे पर कई बार पाकिस्तान का समर्थन किया है। वह कई बार कह चुके हैं कि कश्मीर मामले पर तुर्की हमेशा पाकिस्तान का साथ देगा। एर्दोआन कश्मीर की तुलना फिलिस्तीन से कर चुके हैं और भारत पर कश्मीर में अत्याचार के आरोप भी लगाते रहे हैं।

जर्मनी को पुतिन के खिलाफ भारत का साथ भी मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली। भारत में जर्मनी के राजदूत ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि आने वाले दिनों में भारत रूस को लेकर संयुक्त राष्ट्र में अपना रवैया बदलेगा। भारत पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि वो यूक्रेन पर हमले के लिए रूस का विरोध करे। भारत में जर्मनी के राजदूत वॉल्टर लिंडनर ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि भले ही यूक्रेन भारत से दूर हो, लेकिन अगर हम यूक्रेन के नागरिकों के खिलाफ हो रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन को बर्दाश्त करते हैं। तो यह दुनिया में और स्थानों तक भी फैल सकता है, हो सकता है भारत के काफी करीब भी लिंडनर ने आगे कहा, अभी भी समय है, हम भारत को अपने विचार बता रहे हैं। अगर इस तरह का युद्ध को उकसावा एक नया नियम बन गया तो सबका नुकसान होगा और हम उम्मीद कर रहे हैं कि इस बात को भारत में स्वीकारा जाएगा और संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्पष्टीकरण में या मत में या मतदान के स्वरूप में कुछ बदलाव आएगा÷ सब एक ही नाव में सवार उन्होंने कहा कि जो रूस कर रहा है वो यूरोप में शांति पर हमला है, हमारी आजादी पर हमला है, अंतरराष्ट्रीय कानून पर हमला है। यह नियमों पर आधारित शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर पूर्ण रूप से हमला है और अगर हमने पुतिन को इसके लिए माफ कर दिया तो हम सब भुगतेंगे÷ लिंडनर के मुताबिक अंत में ये फैसले भारत को ही लेने हैं लेकिन उनका मानना है कि ÷हम सब एक ही नाव में सवार हैं

गुजरात के कच्छ जिले में महसूस हुए भूकंप के झटके

कच्छ। गुजरात के कच्छ जिले में मंगलवार को सुबह 3.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन ने बताया कि इससे किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित भूकंप अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने बताया कि भूकंप का झटका सुबह सात बजकर 50 मिनट पर दर्ज किया गया और इसका केंद्र जिले में रापड़ से 19 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण-पश्चिम में था। गुजरात के कच्छ जिले में मंगलवार को सुबह 3.4 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जिला प्रशासन ने बताया कि इससे किसी के हताहत होने या संपत्ति को नुकसान की कोई खबर नहीं है। गांधीनगर स्थित भूकंप अनुसंधान संस्थान (आईएसआर) ने बताया कि भूकंप का झटका सुबह सात बजकर 50 मिनट पर दर्ज किया गया और इसका केंद्र जिले में रापड़ से 19 किलोमीटर पश्चिम दक्षिण-पश्चिम में था।धरती मुख्य तौर पर चार परतों से बनी हुई है। इनर कोर, आउटर कोर, मैन्टल और क्रस्ट कोर। क्रस्ट और ऊपरी मैन्टल कोर को लिथोस्फेयर के नाम से जाना जाता है। ये 50 किलोमीटर की मोटी परत कई वर्गों में बंटी हुई है। इसे टैकटोनिक प्लेट्स कहा जाता है। ये टैकटोनिक प्लेट्स अपनी जगह पर हिलती-डुलती रहती हैं। जब ये प्लेट बहुत ज्यादा हिलने लगती है तो उसे भूकंप कहते हैं। ये प्लेट क्षैतिज और ऊर्ध्वाधर दोनों ही तरह से अपनी जगह से हिल सकती हैं। भूकंप की तीव्रता को मापने के लिए रिक्टर स्केल का पैमाना इस्तेमाल किया जाता है। इसे रिक्टर मैग्नीट्यूड टेस्ट स्केल कहा जाता है। रिक्टर स्केल पर भूकंप को 1 से 9 तक के अंकों के आधार पर मापा जाता है।

न्यूज़ ट्रैक....

100 वे टेस्ट में शतक लगा पायेंगे विराट !

मुम्बई । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली यहां अपने करियर का 100वां टेस्ट मैच खेलेंगे। विराट ने इस मैच के लिए मोहाली पहुंचकर अभ्यास भी शुरु कर दिया है। विराट इस मैच में उतरते ही भारत के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले 12वें खिलाड़ी बनेंगे। विराट ने अबतक अपने टेस्ट करियर में 99 मैचों में 50 की शानदार औसत के साथ 7962 रन बनाए हैं। जिसमें 27 शतक और 28 अर्धशतक शामिल है। विराट के प्रशंसकों को इस मैच में उनके बल्ले से 71वीं शतकीय पारी देखने का इंतजार रहेगा। विराट पिछले दो साल से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतक नहीं लगा पाये हैं। साल 2021 में विराट ने 11 टेस्ट में 28.21 के औसत से 536 रन ही बनाये थे। विराट ने 2021 में टेस्ट क्रिकेट में 19 पारियों में सिर्फ चार अर्धशतक ही लगाये हैं पर वह एक भी शतक नहीं लगा पाये। ऐसे में उनकी बल्लेबाजी को लेकर भी सवाल उठाये जा रहे हैं। विराट इस मैच में शतक के साथ ही अपने आलोचकों को भी जवाब देना चाहेंगे। कोरोना संक्रमण के खतरे को देखते हुए इस मैच को दर्शकों के बिना ही खेला जाएगा।

शाहीन की लाहौर ने जीता पीएसएल खिताब

लाहौर । शाहीन अफरीदी की टीम लाहौर कलंदर्स ने फाइनल में मुल्तान सुल्तान को 42 रनों से हराकर पहली बार पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) खिताब जीता है। फाइनल में लाहौर ने पहले खेलते हुए 5 विकेट पर 180 रन बनाये। वहीं इसके जवाब में सुल्तांस की टीम 138 रनों पर ही आउट हो गयी। खिताबी मुकाबले में लाहौर की जीत में मोहम्?मद हफीज की अहम भूमिका रही। हफीज ने केवल 46 गेंदों पर 69 रन बनाये। इस दौरान उन्होंने दो विकेट भी लिए। हफीज के अलावा सुल्तान के शाहनवाज दहानी भी इस मैच में छाये रहे। इसका कारण यह रहा कि 18वें ओवर की दूसरी गेंद पर ही दहानी ने हफीज को कैच आउट करा दिया जैसे ही हफीज कैच आउट हुए, दहानी अंपायर अलीम डार के पास गए और हाथ जोड़कर बल्लेबाज को पवेलियन भेजने को कहा। इसपर अंपायर ने भी हाथ जोड़कर बल्लेबाज को पवेलियन जाने का इशारा किया। गेंदबाज और अंपायर के इस अंदाज के वीडियो को प्रशंसकों ने सोशल मीडिया में काफी पसंद किया है।

कोमा के गए पूर्व ऑस्ट्रेलयाई क्रिकेटर मार्श

सिडनी । पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर रॉड मार्श की हालत दिल के दौरे के बाद से ही गंभीर बनी हुई है। मार्श अभी कोमा में हैं। उन्हें एक चैरिटी कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बुंडाबर्ग पहुंचने के दौरान ही दिल का दौरा पड़ा था। उसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया था। उसके बाद से ही मार्श की हालत गंभीर बनी हुई है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट संघ ने मार्श के परिवार की तरफ से एक बयान जारी किया जिसमें कहा कि मार्श जिंदगी की जंग लड़ रहे हैं। वह कोमा में हैं। वहीं उनके बेटे पॉल ने कहा कि हमारा परिवार दुनिया भर से मिले प्यार और समर्थन के संदेशों से अभिभूत है। 74 साल के रॉड ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से साल 1970 से 1984 के बीच 96 टेस्ट मैच खेले थे। इस दौरान उन्होंने 26.51 की औसत से 3 हजार 633 रन बनाए थे। उनके नाम 3 शतक और 16 अर्धशतक हैं। उन्होंने 92 एकदिवसीय मैचों में अपने देश का प्रतिनिधित्व किया था जिसमें उन्होंने 1225 रन बनाए थे। उनके नाम 4 अर्धशतक भी हैं। रॉड साल 2016 तक ऑस्ट्रेलिया की पुरुष टीम के चयनकर्ता भी रहे थे।

रूस में नहीं खेला जाएगा कोई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट : फीफा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)। विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने कहा है कि यूक्रेन पर किये गये हमले को देखते हुए अब रूस में कोई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूर्नामेंट नहीं खेला जाएगा। फीफा ने हालांकि कहा कि रूस को फीफा विश्व कप 2022 के क्वालीफायर से नहीं हटाया जाएगा। फीफा परिषद ब्यूरो ने अपने एक बयान में कहा, 'रूस के क्षेत्र में कोई भी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट नहीं खेला जाएगा। रूस के घरेलू मैच तटस्थ क्षेत्र पर और दर्शकों के बिना खेले जाएंगे। रूस का प्रतिनिधित्व करने वाला सदस्य संघ किसी भी प्रतियोगिता में रूसी फुटबॉल संघ (आरएफयू) के नाम से भाग लेगा। उन मैचों में रूस के राष्ट्रध्वज या राष्ट्रगान का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा, जहां रूसी फुटबॉल संघ की टीमें भाग लेंगी। इसके साथ ही फीफा परिषद ब्यूरो ने कहा, 'आगामी फीफा विश्व कप 2022 क्वालीफायर को लेकर पोलिश फुटबॉल एसोसिएशन, चेक गणराज्य फुटबॉल एसोसिएशन और स्वीडिश फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से रुसी हमले को लेकर व्यक्त की गई गंभीर स्थिति पर विचार किया गया। साथ ही कहा कि फीफा इस समस्या का मिल कर एक सही और स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए सभी के साथ निकट संपर्क में बना रहेगा। वहीं पोलैंड की फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सेजरी कुलेजा ने हालांकि कहा कि रूस को फीफा विश्व कप 2022 के क्वालीफायर से न हटाने का फैसला अपमानजनक है। उन्होंने कहा, 'फीफा के इस अपमानजनक फैसले के कारण पोलिश फुटबॉल एसोसिएशन ने आज यूरोप के सभी संघों को एक पत्र भेजा, जिसमें हमने अपनी स्थिति बताई और उन्हें अपने पक्ष में ख? होने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि एकजुट होकर ही हम मजबूत होंगे। साथ ही कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण को स्वीकार नहीं किया जा सकता है। वहीं यूक्रेन पर रुसी आक्रमण के बीच ही पोलैंड (पीजेडपीएन), स्वीडन (एसवीएफएफ) और चेक गणराज्य (एफएसीआर) के फुटबॉल संघों ने कहा है कि कतर में 2022 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए प्लेऑफ मैच रूसी संघ के क्षेत्र में नहीं खेले जाने चाहिए।

रूस ओर बेलारूस को ओलिंपिक से बाहर करेगी अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति

नई दिल्ली । यूक्रेन पर रुसी हमले से खेल जगत भी बेहद नाराज है। ऐसे में अब रुस को ओलंपिक खेलों से भी बाहर किया जा सकता है। इससे पहले अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओए) ने भी रूस पर प्रतिबंध लगाने की सिफारिश की थी। आईओए ने ने कहा कि वैश्विक खेल प्रतियोगिताओं की अखंडता की रक्षा और सभी प्रतिभागियों की सुरक्षा के लिए' ऐसा करना आवश्यक है। आईओसी ने यह भी कहा कि रुस की सहायता कर रहे बेलारूस के खिलाड़ियों को भी बाहर कर दिया जाएगा। इससे पहले विश्व फुटबॉल की शीष संस्था (फीफा) और यूरोपियन फुटबॉल संघ (यूईएफए) ने रूस पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस साल के अंत में कतर में होने वाले फुटबॉल विश्व कप से रूस को पहले ही बाहर कर दिया गया है। इतना ही नहीं रूसी फुटबॉल क्लबों को दुनियाभर के हर टूर्नामेंट और चैंपियनशिप में हिस्सा लेने से रोक दिया गया है। यूएफा ने अपने एक बयान में कहा है कि कि रूसी क्लब स्पोर्ट्स मॉस्को को यूरोपियन लीग से भी बाहर कर दिया गया है। इससे अब आरबी लीपजिंग क्लब सीधे क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है। फीफा ने अपने एक बयान में कहा, हम पूरी तरह साथ हैं और यूक्रेन में प्रभावित लोगों के साथ हमारी पूरी एकजुटता है। फीफा ने हालांकि उम्मीद जताई कि यूक्रेन में जल्द हालात सुधरेंगे और फुटबॉल एक बार लोगों में एकजुटता और शांति का कारक बनेगा। आईओसी ने व्लादिमीर पुतिन से 2011 में दिए गए 'ओलिंपिक ऑर्डर' को भी वापस ले लिया है। उसके बाद अन्य रूसी अधिकारियों को दिया गया यह सम्मान भी वापस ले लिया गया है। गौरतलब है कि 24 मार्च को रूस की राजधानी मॉस्को में विश्व कप क्वालीफाईंग मैच का प्लेऑफ खेला जाना था पर पोलैंड ने इस मैच को खेलने से इंकार कर दिया। पोलैंड के अलावा स्वीडन और चेक गणराज्य ने भी कहा कि वह रूस के खिलाफ अपनी टीम नहीं उतारेंगे।

ब्रटेन में शीतकालीन पेरालंपिक खेल समारोह के लिए मशाल थामे हुए एलीन नेल्सन व एगी मैलोन।

पाकिस्तान दौरे पर गये ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की पत्नी को मिली धमकी

सिडनी । 24 साल बाद पाकिस्तान दौरे पर पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम के एक खिलाड़ी ऑलराउंडर एश्टन एगर की पत्नी मेडेलीन को धमकी मिली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान ने जहां पाक पहुंचने के बाद सुरक्षा इंतजामों की तारीफ की थी। वहीं एश्टन को मिली धमकी के बाद एक बार फिर टीम की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम को यहां टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के बाद ही एक टी20 मैच भी खेलना है। एक रिपोर्ट के अनुसार एश्टन की पत्नी मेडेलीन को चेतावनी दी गई है कि इस क्रिकेटर को पाकिस्तान की यात्रा नहीं करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 1998 के

आजकल फिटनेस और बल्लेबाजी पर काम कर रहे कार्तिक

नई दिल्ली । अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक टीम इंडिया में वापसी के प्रयास में लगे हैं। कार्तिक का मानना है कि अभी वह टी20 प्रारुप खेल सकते हैं। इसी को देखते हुए वह अपनी फिटनेस और बल्लेबाजी पर काम कर रहे हैं। इस खिलाड़ी ने अंतिम बार भारतीय टीम की ओर से दो साल पहले 2019 में एकदिवसीय विश्व कप सेमीफाइनल में खेला था। कार्तिक भारत के लिए खेलने को लेकर पहले की तरह प्रतिबद्ध हैं और साथ ही चाहते हैं कि उनके छह महीने के जुड़वां बेटे अगले कुछ वर्षों में उन्हें शीर्ष स्तर पर खेलता हुआ देखें।

कार्तिक ने कहा कि टी20 मेरे लिए शुरुआत की तरह होगा। साथ ही कहा कि आईपीएल जैसे टूर्नामेंट में आपको दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने का मौका मिलता है और आपको अपना कौशल दिखाने का मौका मिलता है। इसलिए मध्यक्रम के बल्लेबाज के रूप में मैं इसमें बेहतर प्रदर्शन का प्रयास कर सकता हूं।विश्व कप के बाद सीमित ओवरों के प्रारूप की टीम से बाहर होने से पहले कार्तिक ने टी20 में फिनिशर की भूमिका में निभाई थी। इसके अलावा 2018 निदाहस ट्रॉफी के फाइनल में आखिरी ओवर में उनकी शानदार बल्लेबाजी से भारत ने खिताब जीता था। जिस प्रकार टीम प्रबंधन सीमित ओवरों के प्रारूप के लिए मध्यक्रम में खिलाड़ियों को आजमा रहा है उसको देखते हुए कार्तिक को अपने लिए अवसर नजर आ रहा है। कार्तिक ने कहा कि टीम में चयन की पात्रता अब उम्र नहीं है। यह अब फॉर्म, फिटनेस और अनुभव पर निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर आयु ऐसी चीज नहीं है जिसे भारतीय टीम में वापसी के दौरान देखा जाता है। 36 साल की उम्र में शिखर धवन ने दक्षिण अफ्रीका में एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में बेहतरीन बल्लेबाजी की। कार्तिक का मानना है कि छोटे प्रारूप में उम्र के साथ खिलाड़ी बेहतर होता है। उन्होंने कहा कि लोग अपने शरीर को समझते हैं, वे कितना क्रिकेट खेल सकते हैं। अधिक उम्र के बाद भी शोएब मलिक और हफीज टी20 विश्व कप में पाकिस्तान की ओर से खेल रह हैं।

विश्व कप में भारत-पाक महिला टीम के बीच होगा मुकाबला

तौरंगा । भारतीय महिला क्रिकेट टीम 6 मार्च को यहां मेजबान टीम पाकिस्तान से एकदिवसीय महिला विश्वकप मुकाबले में खेलेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज और पाकिस्तान टीम की कप्तान बिसमाह मारूफ के लिए यह मैच बेहद अहम है। मिताली विश्व कप के बाद खेल को अलविदा कह देंगी। ऐसे में वह यह मैच किसी भी हालत में जीतना चाहेगी। हाल में भारतीय टीम का जिस प्रकार का प्रदर्शन रहा है उसे जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर इस मैच से वापसी कर रहीं पाक कप्तान बिसमाह मारुफ को उम्मीद है कि उनकी टीम इस मैच से जीत दर्ज करेगी। बिसमाह के अनुसार इस मैच से दोनो ही देशों में महिला क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय टीम आईसीसी एक दिवसीय विश्व कप के पहले मैच में छह मार्च को न्यूजीलैंड के तौरंगा में पाकिस्तान से खेलेगी।यह टूर्नामेंट चार मार्च से तीन अप्रैल तक न्यूजीलैंड के छह शहरों आकलैंड, क्राइस्टचर्च, डुनेडिन, हैमिल्टन, तौरंगा और वेलिंगटन में खेला जायेगा। पाक कप्तान ने कहा कि यह मैच भारत और पाकिस्तान की लड़कियों को क्रिकेट में पदार्पण के लिये प्रेरित करेगा। यह क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है और दर्शकों की नजरें इस मैच पर लगी होंगी। इससे दोनो ही देशों की लड़कियां खेल की ओर प्रेरित होंगी।

व्यापार न्यूज

टाटा पंच से मुकाबला करने बाजार में आ रही माइक्रो एसयूवी सिट्रोएन सी3

मुंबई । भारत में साल 2022 में सिट्रोएन अपनी दूसरी कार लांच करने के लिए तैयार है। जी हां, पिछले साल सिट्रोएन सी3 के लुक और फीचर्स को अनवील करने के बाद कंपनी जून 2022 में अपनी माइक्रो एसयूवी की कीमत का खुलासा करने वाली है, जिसका मुकाबला टाटा की माइक्रो एसयूवी टाटा पंच के साथ ही निसान मैग्नाइट और रेनो काइगर जैसी कॉम्पैक्ट एसयूवी से होगा। सिट्रोएन की हैचबैक सेगमेंट की भी कई पॉपुलर कारों से मुकाबला होगा, जो कि अपने सेगमेंट की बेस्ट कारें हैं। सिट्रोएन सी3 को ग्रुप पीएसए के कॉमन मॉडुलर प्लेटफॉर्म पर डिवेलप किया है। 4 मीटर से छोटी माइक्रो एसयूवी में चौड़ी ग्रिल, डिजाइनर हेडलैंप, एंगुलर विंडशील्ड प्लेसमेंट, फ्लैट बॉनट और फ्लैट रूफ, बॉडी में चारों तरफ ब्लैक क्लैडिंग, फ्रंट बंपर पर ऑरेंज एलिमेंट और डुअल टोन डायमंड कटअलॉय व्हील्ज के साथ ही 315 लीटर का बूट स्पेस होगा। सिट्रोएन सी3 में डुअल टोन इंटीरियर के साथ ही प्रीमियम फैब्रिक अपहोल्स्ट्री, 10 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, 3 यूएसबी पोर्ट, फ्लैट बॉटम स्टीयरिंग व्हील्ज, अडजस्टेबल सीट्स, ऑटोमैटिक एसी, क्रूज कंट्रोल, मल्टीपल एयरबैग्स, रिवर्स पार्किंग सेंसर सहित कई स्टैंडर्ड और सेफ्टी फीचर्स देखने को मिल सकते हैं। सिट्रोएन सी3 में 1.2 लीटर 3 सिलिंडर पेट्रोल इंजन लगा होगा और यह 5 स्पीड मैनुअल और डीसीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन ऑप्शन से लैस होगी। सिट्रोएन सी3 को कंपनी 80 अलग-अलग एक्सेसरीज के साथ भारतीय बाजार में पेश करेगी। सिट्रोएन सी3 की संभावित कीमत 6-10 लाख रुपये के बीच मार्केट में पेश किया जा सकता है। बता दें कि भारत में माइक्रो एसयूवी टाटा पंच की अच्छी बिक्री हो रही है। यह देखकर हुए सिट्रोएन भी अब शानदार लुक और फीचर लोडेड कार सिट्रोएन सी3 पेश करने वाली है, जो हैचबैक और छोटी एसयूवी खरीदने वालों को टारगेट करेगी।

एनसीएलटी ने फ्यूचर समूह को दी शेयरधारकों की बैठक बुलाने की अनुमति

नई दिल्ली । फ्यूचर समूह की कंपनियों को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) से अपने शेयरधारकों एवं कर्जदाताओं की बैठक बुलाने की मंजूरी मिल गई है, ताकि रिलायंस रिटेल के साथ 24,713 करोड़ रुपये के सौदे पर उनकी सहमति ली जा सके। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) और समूह की अन्य कंपनियों को इस बिक्री करार पर मंजूरी लेने के लिए शेयरधारकों एवं ऋणदाताओं की बैठक बुलाने की अनुमति दे दी। एफआरएल ने सोमवार को शेयर बाजार को इस संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि एनसीएलटी ने इस सौदे का विरोध करने वाली अमेजन की याचिका को ठुकरा दिया है। उसने कहा कि शेयरधारकों एवं ऋणदाताओं की बैठकों की तारीख की सूचना समय आने पर दी जाएगी। रिलायंस रिटेल ने तीन दिन पहले ही फ्यूचर रिटेल के 300 स्टोरों का संचालन अपने हाथ में लिया है। इसके साथ ही उसने मौजूदा कर्मचारियों को नौकरी की भी पेशकश की है।

महाशिवरात्रि पर बंद रहा शेयर बाजार

मुम्बई । महाशिवरात्रि के अवसर पर मंगलवार को मुम्बई शेयर बाजार बंद रहा। इसके साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) और बीएसई भी बंद रहे। मेटल और बुलियन समेत थोक जिंस बाजार के साथ ही फॉरेक्स और कमोडिटी फ्यूचर्स बाजार में भी कोई

कारोबार नहीं हुआ। वहीं गत कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 366.64 अंक करीब 0.64 फीसदी बढ़कर 57,858.15 पर जबकि निफ्टी 128.90 अंक तकरीबन 0.75 फीसदी उछलकर 17,278 पर बंद हुआ था।

बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 443 परियोजनाओं की लागत 4.45 लाख करोड़ रुपए बढ़ी

भूमि अधिग्रहण में विलंब और पर्यावरण मंजूरी मुख्य कारण

नई दिल्ली। बुनियादी ढांचा क्षेत्र की 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक के खर्च वाली 443 परियोजनाओं की लागत में अनुमान से 4. 45 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। एक रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई है। देरी और अन्य कारणों से इन परियोजनाओं की लागत बढ़ी है। सांख्यिकी और कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय 150 करोड़ रुपए या इससे अधिक लागत वाली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की परियोजनाओं की निगरानी करता है। मंत्रालय की जनवरी, 2022 की रिपोर्ट में कहा गया है, कि इस तरह की 1,671 परियोजनाओं में से 443 की लागत बढ़ी है, जबकि 514 परियोजनाएं देरी से चल रही हैं। रिपोर्ट के अनुसार, ''इन 1,671 परियोजनाओं के क्रियान्वयन की मूल लागत 22,54,175.77 करोड़ रुपए थी, जिसके बढ़कर 26,99,651.62 करोड़ रुपए पर पहुंच जाने का अनुमान है। इससे पता चलता है कि इन परियोजनाओं की लागत 19.76 प्रतिशत या 4,45,475.85 करोड़ रुपए बढ़ी है।'' रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी, 2022 तक इन परियोजनाओं पर 13,16,293.63 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं, जो कुल अनुमानित लागत का 48.76 प्रतिशत है। हालांकि, मंत्रालय का कहना है कि यदि परियोजनाओं के पूरा होने की हालिया समयसीमा के हिसाब से देखने पर देरी से चल रही परियोजनाओं की संख्या कम होकर 381 पर आ जाएगी। रिपोर्ट में 881 परियोजनाओं के चालू होने के साल के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देरी से चल रही 514 परियोजनाओं में 89 परियोजनाएं एक महीने से 12 महीने की, 113 परियोजनाएं 13 से 24 महीने की, 204 परियोजनाएं 25 से 60 महीने की और 108 परियोजनाएं 61 महीने या अधिक की देरी में चल रही हैं। इन 514 परियोजनाओं की देरी का औसत 46.23 महीने है। इन परियोजनाओं की देरी के कारणों में भूमि अधिग्रहण में विलंब, पर्यावरण और वन विभाग की मंजूरियां मिलने में देरी और बुनियादी संरचना की कमी प्रमुख है।

एफपीआई ने फरवरी में भारतीय बाजारों से 35,506 करोड़ निकाले

नई दिल्ली । विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने फरवरी में भारतीय बाजारों से 35,506 करोड़ रुपए निकाले हैं। यह लगातार पांचवां महीना है जबकि एफपीआई भारतीय बाजार में बिकवाल रहे हैं। एफपीआई अक्टूबर, 2021 से लगातार भारतीय बाजारों से निकासी कर रहे हैं। फरवरी, 2022 में एफपीआई की निकासी मार्च, 2020 के बाद सबसे ऊंची रही है। उस समय एफपीआई ने भारतीय बाजारों से 1,18,203 करोड़ रुपए निकाले थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि अमेरिकी केंद्रीय बैंक द्वारा प्रोत्साहन उपायों को वापस लेने और देर-सवेर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की घोषणा के बाद से एफपीआई की निकासी तेज हुई है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा रूस-यूक्रेन तनाव की वजह से भी एफपीआई सतर्कता का रुख अपना रहे हैं और भारत जैसे उभरते बाजारों से दूरी बना रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार एफपीआई ने एक से 25 फरवरी के दौरान शेयरों से 31,158 करोड़ रुपए और ऋण या बांड बाजार से 4,467 करोड़ रुपए निकाले हैं। इस दौरान उन्होंने हाइब्रिड उत्पादों में 120 करोड़ रुपए डाले हैं। एफपीआई का रुख डॉलर के मुकाबले रुपए के रुख, कच्चे तेल की कीमतों, अमेरिका में बांड पर प्रतिफल से तय होता। अमेरिका में 10 साल के बांड पर रिटर्न बढ़ने पर एफपीआई बांड बाजार में निवेश को तरजीह देते हैं। फिलहाल ये सभी चीजें एफपीआई को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में एफपीआई आगे और निकासी कर सकते हैं।

फॉच्यूनर को टक्कर देने आ रही नई 7 सीटर एसयूवी जीप मेरिडियन

मुंबई । भारत में फुल साइज 7 सीटर एसयूवी सेगमेंट में जल्द ही एक नई कार आने वाली है, जिसका नाम जीप मेरिडियन है। जीप इंडिया ने अपनी अपकमिंग एसयूवी की लांच टाइमलाइन का खुलासा करते हुए कहा है कि वह मई में अपनी पहली 7 सीटर कार जीप मेरिडियन इंडियन मार्केट में पेश करेगी। साथ ही कंपनी ने मेरिडियन के एक्सटीरियर और इंटीरियर की भी झलक दिखाई है। जीप भारत में ही मेरिडियन का प्रोडक्शन करेगी और पूरी तरह मेड इन इंडिया एसयूवी होगी। आने वाले समय में कंपनी लग्जरी एसयूवी सेगमेंट में जीप ग्रैंड चेरोकी भी लांच करेगी। बता दें कि तीन कतारों वाली जीप मेरिडियन विदेशों में जीप कमांडर नाम से बिकती है। इस भारत में 7 सीटर जीप कंपस भी कहा जा रहा है, जिसका मुकाबला टोयोटा फॉर्च्यूनर और एमजी ग्लॉस्टर के साथ ही अपकमिंग 2022 फोर्ड इंडिवर जैसी धांसू एसयूवी से होगा। जीप मेरिडियन का एक्सटीरियर लुक काफी पावरफुल लगता है, वहीं इंटीरियर काफी लग्जरी एसयूवी की तरह है।

बाजार में जल्द आ रही है फर्राटा रेस वाली इलेक्ट्रिक बाइक

नई दिल्ली । बाइक शौकीनों के लिए खुशखबरी है अब बाजार में इलेक्ट्रिक व्हीकल बनाने वाली कंपनी हॉप इलेक्ट्रिक मोबिलिटी जल्द ही अपनी हाई स्पीड इलेक्ट्रिक बाइक (हॉप ओएक्सओ इलेक्ट्रिक) लॉन्च करने जा रही है। कंपनी ने लॉन्चिंग से पहले इस इलेक्ट्रिक बाइक के स्पेसिफिकेशन का खुलासा किया है। यह ई-बाइक 100 किमी प्रति घंटे की टॉप स्पीड देगी, जबकि इसकी लीथियम-आयन बैटरी सिंगल चार्जिंग में 150 किमी की दूरी तय करने में सक्षम होगी। हॉप इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने कहा है कि उसने भारत में चुनिंदा डीलर पार्टनर के साथ क्लोज्ड-लूप बीटा-टेस्टिंग प्रोग्राम हैशटैग ओएक्स ऑक्सोस्नीपीक शुरू किया है। इसके तरह वह बाइक को लॉन्च करेगी। कंपनी ने अपने टेस्टिंग कार्यक्रम को डीलरों के साथ-साथ यूजर्स को भी शामिल किया है, ताकि इसके जरिए प्राप्त

फीडबैक से आगामी ऑल-इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल तैयार करने में मदद मिल सके। ईवी निर्माता का कहना है कि इससे कंपनी को उपभोक्ता की जरूरतों को पूरा करने और अंतिम उत्पादों के लिए अधिक पर्सनल अप्रोच लाने में मदद मिलेगी। हॉप इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के सीईओ और को-फाउंडर केतन मेहता ने कहा, भले ही प्रोडक्ट को कंपनी और लैब में इंजीनियरों और डिजाइनरों द्वारा विकसित किया गया हो, लेकिन डीलर और यूजर्स से मिला फीडबैक बहुत जरूरी है। हम यह घोषणा करते हुए खुश हैं कि हॉप इलेक्ट्रिक मोबिलिटी यूजर टेस्टिंग शुरू करने वाला पहली भारतीय कंपनी है। मेहता ने आगे कहा, ओएक्स ऑक्सोस्नीपीक कार्यक्रम के साथ हमें चयनित भागीदारों से सीधी प्रतिक्रिया और सुझाव मिल रहे हैं।

इंटरपोल ने गुप्ता बंधुओं के खिलाफ जारी किया रेड कार्नर नोटिस

जोहान्सबर्ग । इंटरपोल ने भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे अतुल और राजेश गुप्ता के खिलाफ रेड कार्नर नोटिस जारी किया। दक्षिण अफ्रीकी सरकार ने करीब सात महीने पहले इसका अनुरोध किया था। हालांकि, उनकी पत्नियों आरती और चेताली गुप्ता के खिलाफ रेड नोटिस जारी नहीं किया गया। एक रेड नोटिस सभी इंटरपोल सदस्य देशों को आगाह करता है कि यह व्यक्ति एक वांछित भगोड़ा है, लेकिन यह गिरफ्तारी वारंट के बराबर नहीं है। हालांकि, इससे आरोपी को प्रत्यर्पित करने की कार्रवाई को मजबूती मिलती है।

धनश्री वर्मा का नया सॉन्ग ओये होये होये हुआ रिलीज

आज के वक्त में इंटरनेट पर काफी ज्यादा चर्चा सामना आ रही है। वही यूट्यूब पर कई जबरदस्त सॉन्ग को रिलीज किया जाता रहा है। पिछले कुछ वक्त से कई सिंगर अपने गानों को इंटरनेट पर रिलीज करते है। इसी बिच पंजाब इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर और एक्टर जस्सी गिल का नया गाना आज इंटरनेट पर रिलीज कर दिया गया है वही रिलीज के साथ ही ये काफी जबरदस्त तरीके से वायरल हो रहा है। टी सीरीज के बैनर के तले बने इस गाने को दर्शको ने काफी प्यार दिया है। इस गाने का नाम ओये होये होये है। इस गाने को जस्सी गिल और सिमर कौर ने इस गाने को अपनी आवाज़ दी है। इस गाने को अवव्य सरा ने म्यूजिक दिया है। वही इस गाने में जस्सी गिल और धनश्री वर्मा डांस करती हुई नज़र आ रही है। वही इस गाने का निर्देशन अरविबडेर खैरा ने लिया है। वही इस गाने को दर्शको का काफी जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। अब तक इस गाने पर 10 लाख से ज्यादा व्यूज आ चुके है। वही 70 हजार से ज्यादा लोगो ने इस गाने को लाइक किया है। वही एक बार फिर धनश्री का ध्यान सभी को काफी पसंद आ रहा है। धनश्री को एक बार फिर लोगो का प्यार मिलता हुआ नज़र आ रहा है। सोशल मीडिया पर ये गाना काफी चर्चा में है। अब देखना होगा की आने वाले कुछ दिनों पर इस गाने को दर्शको का कैसा रिस्पॉन्स मिलता है। इस तरह के गाने को शार्ट वीडियो प्लेटफार्म पर काफी ज्यादा पसंद किया जाता रहा है।

अजय देवगन का नया अवतार देख उड़ सभी के होश

ओटीटी के गलियारों में कई फिल्मो और वेब सीरीज को लेकर काफी चर्चा समाने आ रही है। ओटीटी को लेकर हर दिन बड़े अपडेट सामने आते ही रहते है। ये कहना गलत नहीं होगा की आज के वक्त में ओटीटी एक बहुत ही चर्चित माध्यम बन गया है। वही ओटीटी पर कई बड़े बॉलीवुड स्टार भी नज़र आ चुके है और ये लिस्ट बढ़ती ही जा रही है। इसी बिच बॉलीवुड के दमदार कलाकरो में से एक अजय देवगन भी ओटीटी के गलियारों में कदम रखते हुए नज़र आने वाले है। हाल ही में अजय देवगन ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक वीडियो को शेयर किया है। जिसमे वह बोलते नज़र आ रहे है ङ्क 'कितनी बार कहा है आपको मेरा नाम अजय नहीं सुदर्शन है सुदर्शन।' अजय का ये वीडियो चर्चा में आ गया है। वही इस वीडियो को शेयर करते हुई उन्होंने कैप्शन में लिखा -'दुआ में याद रखना , नाम है सुदर्शन' इस वीडियो के सामने आने के बाद से कई बाते शुरू हो गयी है। वही इस वीडियो को अजय के नए वेब प्रोजेक्ट का टीजर मन जा रहा है। वही इस वीडियो पर दर्शकों के काफी जबरदस्त कमेंट आ रहे है। वही इस वीडियो में अजय ने डिज्नी + हॉटस्टार को टैग किया है। वही बताया जा रहा है अजय के साथ साथ इस प्रोजेक्ट में तमन्ना भाटिया भी नज़र आ सकती है। अब देखना होगा इस नए प्रोजेक्ट में क्या कुछ देखने को मिलता है। आपको अजय का ये नया वीडियो कैसा लगा निचे कमेंट कर के जरूर बताए।

आरएसवीपी ने ए थर्सडे से स्कूल शिक्षक की भूमिका में यामी का पहला लुक किया रिलीज!

रॉनी स्क्रूवाला की आरएसवीपी ने ब्लू मंकी फिल्म्स के साथ अपनी आगामी डायरेक्ट-टू-डिजिटल थ्रिलर ए थर्सडे से आखिरकार यामी गौतम का बहुप्रतीक्षित लुक रिलीज कर दिया है जिसमें वह एक शिक्षक की भूमिका निभा रही हैं। बेहजाद खंबाटा द्वारा निर्देशित और लिखित, यह फिल्म गुरुवार को होने वाली अकल्पनीय घटनाओं पर आधारित है। प्रतिभाशाली अभिनेत्री फिल्म में नैना जायसवाल नामक एक सिंपल स्कूल शिक्षक की भूमिका निभा रही हैं। उनका लुक बहुत सिंपल रखा गया है, जिसने उनके किरदार के प्रति अधिक जिज्ञासु कर दिया है। फिल्म एक बुद्धिमान प्ले स्कूल शिक्षक की कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है, जो 16 बच्चों को बंधक बना लेती है। ए थर्सडे के निमार्ता, रोनी स्क्रूवाला आरएसवीपी के तहत ए थर्सडे का निर्माण करेंगे क्योंकि वह हमेशा नई स्क्रिप्ट और प्रतिभाओं की तलाश में रहते हैं।

सारा अली खान के भाई इब्राहिम को लॉन्च करने जा रहे हैं करण जौहर?

सैफ अली खान और अमृता सिंह के बेटे इब्राहिम अली खान की बॉलीवुड में एंट्री के पहले से ही बड़ी फैन फॉलोइंग है. इब्राहिम की एक झलक लिए अभी से फैंस दीवाने रहते हैं. इब्राहिम एक्ट्रेस सारा अली खान के छोटे भाई हैं, ऐसे में सारा भी अक्सर अपने भाई इब्राहिम के साथ की तस्वीरें और वीडियो साझा करती रहती हैं और वे कुछ ही समय में बिल्कुल वायरल हो जाते हैं. इसी बीच इब्राहिम को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आई है. कहने की जरूरत नहीं है कि इब्राहिम अली खान की बड़ी लोकप्रियता है. स्टारकिड के बॉलीवुड में कदम रखने का उनके चाहने वाले इंतजार कर रहे हैं. ऐसे में हाल ही में इब्राहिम ने सिनेमा में कदम रखने की एक खास बात सामने आई है. हाल ही में इब्राहिम को करण जौहर के पुराने धर्म प्रोडक्शन कार्यालय के बाहर देखा गया था. स्टार किड ने कैजुअल आउटफिट हुआ था और शॉर्ट्स के साथ लंबी-लंबी ग्रे टी शर्ट में पहनी थी.इतना ही नहीं कहा जा रहा है कि उनके पास एक बैकपैक था, और प्रशंसकों ने सोचा कि क्या इब्राहिम को करण जौहर द्वारा जल्द लॉन्च किया जाएगा? इस बात पर फैंस कयास लगा रहे हैं कि क्या सारा के भाई को लॉन्च करने की जिम्मेदारी करण ने ले ली है.इस पर मुहर नहीं लग पाई है कि इब्राहिम करण के ऑफिस किसी और काम से पहुंचे थे या फिर वह जल्द करण से साथ काम करने वाले हैं. करण इससे पहले भी कई स्टारकिड्स को लॉन्च कर चुके हैं और हाल ही में संजय कपूर की बेटी शनाया को लॉन्च करने का ऐलान किया है. सुशांत सिंह राजपूत के निधन के बाद करण जौहर पर नेपोटिज्म को लेकर कई आरोप लगे थे, जिसके बाद एक्टर ने सोशल मीडिया से खुद को काफी दूर कर लिया था. इसके बाद कुछ दिनों पहले ही एक्टर ने कुछ नए चेहरों को लॉन्च करने का ऐलान किया था. लेकिन शनाया के लॉन्च की बात से वह फिर से विवादों में घिरते दिखे. बात शनाया की करें तो जब से होने वाली एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया एकाउंट पब्लिक किया है, तब से वो किसी न किसी वजह से सुर्खियों में बनी रहती हैं. शनाया की डेब्यू से पहले की चाहने वालों की लिस्ट बहुत लंबी है।

विक्की कौशल और कियारा आडवाणी शुरू की फिल्म मिस्टर लेले की शूटिंग

बॉलीवुड के गलियारों में काफी वक्त से कई फिल्मो को लेकर चर्चा सामने आ रही है। वही बॉलीवुड के कुछ कलाकार इन दिनों काफी बिजी नज़र आ रहे है उन्ही में से एक है विक्की कौशल। विखयू इन दोनों कई बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बने हुए है। वही विक्की ने अब अपने नेक्स्ट प्रोजेक्ट की शूटिंग शुरू कर दी है जिसको लेकर वह काफी उत्साहित है।

डायरेक्टर शशांक खेतान की विवादित फिल्म मिस्टर लेले एक बार फिर चर्चा में है। हाल ही में इस फिल्म के मेकर्स पर काफी गंभीर आरोप लगे थे। जिसके चलते उन्हें इस फिल्म को बंद कर दिया था। लेकिन एक बार फिर ये फिल्म चर्चा में आ गयी है। हाल ही में खबर आई थी की इस फिल्म में कियारा आडवाणी मुख्य भूमिका में नज़र आने वाली है। वही अब इस फिल्म को लेकर एक बड़ी अपडेट सामने आ रही है। खबरों की माने तो इस फिल्म की शूटिंग अब शुरू कर दी गयी है। बीते हफ्ते ही विक्की कौशल और कियारा आडवाणी ने मिस्टर लेले की शुरू कर दी है। वहीँ इस फिल्म की शूटिंग मुंबई में की जाएगी। इस फिल्म के निर्माण करण जौहर के बैनर तले किया जाएगा। इस फिल्म में भूमि पेडनेकर भी एक अहम् किरदार निभाती हुई नज़र आने वाली है। पहले इस फिल्म को वरुण धवन के साथ मनाया जा रहा था। अब देखना विक्की और कियारा बॉक्स ऑफिस पर क्या कुछ धमाल मचा पाते है।

सनकी में एक विकलांग व्यक्ति के किरदार में नजर आएंगे वरुण धवन

बॉलीवुड अभिनेता वरुण धवन इन दिनों फिल्म 'भेड़िया' की शूटिंग के लिए अरुणाचल प्रदेश में है। इस फिल्म में उनके साथ कीर्ति सेनन नजर आएगी। अब खबर आ रही हैं कि वरुण धवन तमिल थ्रिलर धुरुवंगल पदिनारु की हिंदी रीमेक सनकी में एक विकलांग व्यक्ति के किरदार में नजर आयेंगे। गौरतलब है कि साजिद नाडियाडवाला के निर्देशन में बन रही फिल्म सनकी में परिणीति चोपड़ा का नाम फाईनल हो चुका है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट में सूत्र के हवाले से ये खबर दी है कि सनकी यह एक शानदार थ्रिलर फिल्म है। जिसमें बतौर लीड एक्टर वरुण धवन एक बहादुर पुलिस ऑफिसर की भूमिका में दिखाई देंगे। जिसने एक केस को सुलझाने के दौरान अपनी एक टांग खो दी थी। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि साजिद नाडियाडवाला ने सुपरहिट तमिल थ्रिलर धुरुवंगल पदिनारु के आधिकारिक अधिकार खरीदे थे और वरुण की सनकी इसी फ़िल्म का हिंदी रीमेक है। साजिद अब इसे पैन-इंडिया प्लेटफॉर्म के अनुरूप बना रहे हैं । यह दूसरी बार है कि वरुण और परिणीति साथ में नजर आएंगे।

टीना दत्ता की ग्लैमरस फोटो मचा रहीं तहलका, नजर हटा पाना होगा मुश्किल

'उतरन' फेम टीना दत्ता की ग्लैमरस फोटो मचा रहीं तहलका, नजर हटा पाना होगा मुश्किल ऑनस्क्रीन रोल्स से असल जिंदगी में काफी अलग दिखती हैं टीना दत्ता। आप सभी ने टीना को सीरियल 'उतरन' में देखा होगा। लेकिन अगर उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो वह काफी ग्लैमरस हैं। ऑनस्क्रीन रोल्स से असल जिंदगी में काफी अलग दिखती हैं टीना दत्ता। आप सभी ने टीना को सीरियल 'उतरन' में देखा होगा। लेकिन अगर उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में बात करें तो वह काफी ग्लैमरस हैं। टीना दत्ता ने अपना बोल्ड फोटोशूट कराया है। जिसकी कुछ तस्वीरें उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। फोटो में एक्ट्रेस की लुक की बात करें तो आप देख सकते हैं कि टीना ब्राउन हेयर के साथ ही साथ अपनी आंखों को भी ब्राउन शेड लुक दिया है। अब एक्ट्रेस की अपीयरेंस की बात करें तो आप देख सकते हैं कि कैसे फोटो में टीना टॉपलेस होकर खुद को एक ब्राउन एनिमल प्रिंट बाथरॉब से ढक रखा है। फोटो में टीना दत्ता ग्लैमरस दिखने के साथ ही साथ बेहद हॉट लग रही हैं। फोटो में उनकी खूबसूरती देखकर उनके फैन्स दिवाने हो जा रहे हैं।

असली शुद्ध शहद की पहचान कैसे करे, जानिए 7 आसान तरीके

शहद एक ऐसा खाद्य पदार्थ है जिसका उपयोग खाने के लिए किया जाता है चूँकि शहद सेहद को काफी फायदा पहुंचाता है इस वजह से बहुत से लोग शहद को अपने रोज के खाने में इस्तेमाल करते हैं। यदि शहद मिलावटी है तो यह सेहत को फायदा पहुँचाने की जगह उल्टा नुकसान पहुँचाता है इसलिए जब भी आप शहद खरीदने जाए या फिर घर पर ले आये तो उसके असली या नकली होने का अंतर जरुर चेक करे। तो असली शहद की पहचान क्या है चलिए जानते हैं।

1. कांच की मदद ले: इसके लिए आपको कांच की प्लेट लेना है इसमें शहद की कुछ बूँद गिराना है यदि शहद को टपकाने पर यह सांप की कुंडली के जैसी आकृति बना ले तो यह शुद्ध होगा लेकिन यदि शहद तुरंत फैल जाए तो यह नकली होगा।

2. पानी के साथ मिलाकर देखे: आप पानी की सहायता से भी असली और नकली शहद की पहचान कर सकते हैं इसके लिए आपको एक कांच के गिलास में साफ पानी लेना है। इसमें पतले तार के रूप में शहद को गिराना है यदि शहद शुद्ध होगा यह पतले तार के जैसे गिलास की सतह पर बैठ जायेगा जबकि अशुद्ध हनी पानी में घुल जाता है।

3. रुई की सहायता ले: शहद को रुई में भिगोकर उसकी बत्ती बनाये अब इसकी बत्ती को जलाये यदि शहद नकली होगा तो यह जलेगा ही नहीं यदि जल भी जाता है तो यह चिट चिट की आवाज के साथ जलेगा।

4. सफेद कपड़े से जांचे: इसके लिए आपको साफ सफेद कपड़े पर शहद की कुछ बूंद गिराना है। थोड़ी देर बाद इस कपड़े को पानी से धोएं यदि शहद शुद्ध होगा तो कपड़े पर दाग नहीं लगेगा लेकिन यदि शहद अशुद्ध है तो कपड़े दाग लग जायेगा।

5. मौसम से करे असली शहद की पहचान: आपको बता दे कि असली शहद सर्दी यानी ठंड के मौसम में जम जाता है जबकि गर्मी के मौसम में पिघल जाता है लेकिन यदि आपका शहद हर मौसम में एक जैसा ही रहता है तो आपको समझ जाना है कि शहद में मिलावट की गयी है।

6. लकड़ी की सहायता ले: इसमें आपको एक लकड़ी का टुकड़ा लेना है और इस लकड़ी के टुकड़े में शहद की कुछ बूँद गिराना है इसके बाद शहद के पास माचिस की जलती हुई तीली ले जाए।

गर्मियों में आम खाने से पहले हो जाएं सतर्क, वरना हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

गर्मियों के सीजन में फलों का राजा आम का चारों ओर राज होता है. गर्मियों में ज्यादातर लोग आम खाना पसंद करते हैं। आम में विटामिन ए, आयरन, कॉपर और पोटैशियम के पोषक तत्व भरपूर रूप से मौजूद होता है। आम सेहत और स्वाद में जितना मीठा और रसीला होता है। उतना ही कुछ लोगों के लिए काफी नुकसानदायक होता है। आज हम आपको आम की वजह से होने वाली खतरनाक बीमारियों के बारे में बताने जा रहे हैं। चलिए जानते हैं आम खाने से सेहत को क्या नुकासान होता है..... आम खाने से सेहत को कई फायदे होते हैं, लेकिन कई लोगों को आम खाना भारी पड़ सकता है। यदि आपको पेट से संबंधित परेशानियां हैं, तो आम खाने से बचें। क्योंकि पेट की समस्या के दौरान आम खाने से पेट में आंव पड़ना, लूज मोशन जैसी बीमारी हो सकती हैं। ज्यादा आम खाने से स्किन की समस्या होने लगती है। कई लोगों को ज्यादा आम खाने से फोड़े-फुंसी होने लगते हैं। अगर आप आम खाने के दौरान इस बात का ख्याल नहीं रखेंगे कि कहीं इसका मुँह (डांड) का तरल पदार्थ कहीं लगा, तो नहीं।

शीत परिषह जय

इस समय इतनी अधिक ठण्ड पड रही हैं और हम सामान्य जन अपने बचाव के लिए इतना सब करते हैं उसके बाद भी ठण्ड से बच नहीं पातें .उसके विपरीत जैन साधु संत दिगम्बर अवस्था में रहते हैं और बिना कष्ट के समता भाव से सहन करते हैं .यह बहुत कठिन साधना हैं जो बिरले लोग ही कर पाते हैं . शीत परिषह सहन करना बहुत कठिन होता हैं .शीट के कारणों के सन्निधान में शीट के प्रतिकार की अभिलाषा नहीं करना ,संयम का परिपालन करना शीत परिषह जय हैं ,शीत के प्रतिकार की चिकीर्षा में परमार्थके लोभ के भय के कारण विद्या ,मन्त्र ,औषध ,पत्ते ,वल्कल तृणऔर चरम आदि के सम्बन्ध से व्यावृत मन वाले साधुजन शरीर को पराया समझते हुए पूर्व में धुप से सुवासित ,दीपकों से प्रज्वलित ,श्रेष्ठ अँगनाओं के नवयौवन ,उष्ण ,घनस्तन अनितम्ब और भुजांतर के द्वारा शीत की तर्ज़ना करने वाले ग्रभागारों में किये हुए निवास को तथा अनुभूत सुरत -सुख के रस को ज्ञान के द्वारा असारसंहकार स्मरण नहीं करते हुए किसी भी प्रकार का विवाद नहीं करते ,शीत सहन करते हैं उसे शीत परिषहजय कहते हैं जिस शीत ऋतू में बहु ही तुषार पड़ रहा हो ,बहुत ठंडी वायु चल रही हो वे मुनिराज किसी चौराहे पर खड़े हो उस समय उनको शीत की अधिक वेदना होती हैं उस वेदना का प्रतिकार नहीं करना शीत परिषह जय हैं . जो प्रतिकार करने की इच्छा से निवृत्त हैं ,पहले अनुभव किये गए शीत -प्रतिकार के हेतुभूत वस्तुओं का जो स्मरण नहीं करते हैं और ज्ञान भावना रूपी गर्भागार में निवास करते हैं उनके शीत परिषह (वेदना) ,जय प्रशंसा के योग्य हैं .जिनके शरीर में अत्यन्त कम्पन हो रहा हैं तथा बर्फ के समान शीत वायु के स्पर्श से जिनका शरीर विदीर्ण हो रहा हैं ,ऐसे प्राणी जिस शीत ऋतू में विवश हो शीत के अत्यंत खेद को प्राप्त होते हैं ,उस शीत ऋतू में जो मुनिराज पूर्व में भोगे सुखों का स्मरण नहीं करते हैं तथा ध्यान रूपी घर के द्वारा जिनकी शीत बाधा दूर हो गयी हो ,ऐसे दिगंबर मुनियों को शीत परिषह जय कहते हैं .जिसने आवरण का त्याग कर दिया हैं ,पक्षी के समान आवास निश्चित नहीं हैं,वृक्षमूल,चौपथ और शिलातल आदि पर निवास करते हुए बर्फ के गिरने पर और शीतल हवा का झोंका आने पर मुनिराज को शीत बाधा उतपन्न होती हैं .वस्त्रमात्र के त्यागी मुनिराज जब शीत ऋतू में चौराहे पर ध्यान करते हैं ,तब जो बहुत सा बर्फ और ओस पड़ती हैं एवं बहुत से ओले बरसते हैं उनकी ठंडी वायु से उनक शरीर अत्यंत ठंडा हो जाता हैं तो भी उसका प्रतिकार नहीं करते हैं इसलिए उनके शीत परिषह उत्पन्न होता हैं .चारित्र मोहनीय और वीर्यन्तराय की अपेक्षा करके और असाता के उदय में मुनिराज को शीत परिषह उत्पन्न होती हैं .मुनिराज यह विचार करते हैं की हे आत्मन एक बार समता भाव से समस्त कष्टों का तू संयम के साथ सामना कर ले ,फिर कष्ट तुम्हारा सामना नहीं करेंगे .साधु जनों के कष्टों को देखकर कष्ट भी कष्ट में पड़ जाते हैं ,कष्ट भी हार आता हैं ,कष्ट के सामने साधु काष्ठ बन जाता हैं . नहीं वस्त्र को धारण करते ,खुला बदन रहता हैं . नदी किनारे योग धारते,शीतल जल बहता .. जैन दर्शन में सावस्त्र मुक्ति का निषेध हैं .निर्ग्रन्थ पद से निर्वाण पदप्राप्त होता हैं ,इसलिए मोक्षमार्ग को वस्त्र दूषित का देता हैं .इसलिए मुनि जन्मजात बालकवत यथाजात के धारी होते हैं .अपने पास में वस्त्र नहीं धरतेहैं .यहाँ शीत परिषह प्रकरण में भीषण सर्दी के समय शीत से व्याकुलित होने के कारण व्यक्ति वस्त्र की आकांक्षा करता हैं ,कपडे पहनता हैं ,नाना प्रकार की वस्तुओं से अपनी देश को ढांकने का पुरुषार्थ रागी जीव करता हैं ,वस्त्र पर वस्त्र धारण करता हैं उसके बाद भी सर्दी नहीं आती हैं परन्तु दिगंबर संत सदा वस्त्र रहित होता हैं .कितनी भी ठंडी क्यों न हो परन्तु वस्त्र को धारण नहीं करते ,वस्त्र की आकांक्षा नहीं करते ,देस सदा निरावरण रहती हैं।

आत्मनिर्भरता का प्रतीक है वैज्ञानिक कुशलता

डॉ. शंकर सुवन सिंह

वास्तविक ज्ञान ही विज्ञान है। प्राकृतिक विज्ञान प्रकृति और भौतिक दुनिया का व्यवस्थित ज्ञान होता है,या फ़िर इसका अध्ययन करने वाली इसकी कोई शाखा। असल में विज्ञान शब्द का उपयोग लगभग हमेशा प्राकृतिक विज्ञानों के लिये ही किया जाता है। इसकी तीन मुख्य शाखाएँ हैं ‒ भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान। रसायन का वास्तविक ज्ञान, रसायन विज्ञान है। भौतिकी का वास्तविक ज्ञान, भौतिक विज्ञान है। जीव का वास्तविक ज्ञान, जीव विज्ञान है। कृषि का वास्तविक ज्ञान, कृषि विज्ञान है। खाद्य का वास्तविक ज्ञान, खाद्य विज्ञान है। दुग्ध का वास्तविक ज्ञान दुग्ध विज्ञान है। आदि ऐसे अनेक क्षेत्रों में विज्ञान है। रसायन, भौतिकी, जीव-जंतु, कृषि, खाद्य, दुग्ध, आदि अनेक क्षेत्रों के वास्तविक ज्ञान से राष्ट्रहित संभव है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है। विज्ञान का सम्बन्ध ज्ञान से है अर्थात नए ज्ञान की खोज (डिस्कवर)। प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध अविष्कार (इन्वेंशन) से है। बिना ज्ञान के अविष्कार संभव नहीं है। मकान रूपी अविष्कार, स्तम्भ रूपी ज्ञान पर टिका हुआ है । बिना नीव या स्तम्भ के मकान का खड़ा हो पाना असंभव है। उसी प्रकार विज्ञान के बिना, प्रौद्योगिकी का होना असंभव है। एक पुरानी कहावत है - आवश्यकता अविष्कार की जननी है। जब मानव को जीवित रहने के लिए कुछ जरूरी हो जाता है तो वह किसी भी तरह से उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाता है। इसका अर्थ यह है कि आवश्यकता हर नए आविष्कार का मुख्य आधार है। यह मानवीय आवश्यकता ही थी जिसने पहले व्यक्ति को खाने के लिए भोजन खोजने, रहने के लिए घर का निर्माण करने और जंगली जानवरों से बचने के लिए हथियार बनाने का कार्य किया। यदि इन सभी चीजों की मनुष्य अस्तित्व के लिए ज़रूरत नहीं होती तो वह इन सभी का आविष्कार नहीं करता। मानव जीवन की जरूरतें ही अविष्कार का कारण बनी। कहने का तात्पर्य यह है कि प्रौद्योगिकी मानव जीवन की जरूरतों को पूरा करती है। विज्ञान का लक्ष्य ज्ञान प्राप्त करना है जबकि प्रौद्योगिकी का लक्ष्य वैज्ञानिक सिद्धांतों को लागू करने वाले उत्पादों का निर्माण करना है। आधुनिक विज्ञान की त्वरित खोजों ने प्रौद्योगिकी को तेजी से विस्तार करने में सक्षम बनाया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच का यह सम्बन्ध तकनीकी परिवर्तन की गति को संभव बनाया है। विज्ञान नए ज्ञान को,अवलोकन और प्रयोग के माध्यम से व्यवस्थित रूप से खोजता है। प्रौद्योगिकी विभिन्न उद्देश्यों के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का अनुप्रयोग है। विज्ञान हमेशा उपयोगी होता है। प्रौद्योगिकी, मानव जीवन के लिए उपयोगी हो सकता है या हानिकारक हो सकता है। उदाहरण के लिए, एक कंप्यूटर उपयोगी हो सकता है पर बम हानिकारक होगा। विज्ञान का उपयोग भविष्यवाणियां करने के लिए किया जाता है जबकि प्रौद्योगिकी, मानव जीवन को सरल बनाता है और लोगों की आवश्यकता को पूरा करता है। अतएव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उच्चारण एक साथ किया जाता है। टिकाऊ भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण का होना आवश्यक है। मानव जीवन के भविष्य को शानदार और टिकाऊ बनाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दोनों को एक साथ लेकर चलना होगा। भारत में राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में सन् 1986 से प्रति वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (नेशनल साइंस डे) मनाया जाता है। प्रोफेसर सी वी रमन (चंद्रशेखर वेंकटरमन) ने सन् 1928 में कोलकाता में इस दिन एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की थी,जो 'रमन प्रभाव' के रूप में प्रसिद्ध है। रमन की यह खोज 28 फरवरी 1930 को प्रकाश में आई थी। इस कारण 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस कार्य के लिए उनको 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना,प्रेरित करना तथा विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस देश में विज्ञान के निरंतर उन्नति का आह्वान करता है तथा इसके विकास के द्वारा ही हम समाज के लोगों का जीवन स्तर अधिक से अधिक खुशहाल बना सकते हैं। रमन प्रभाव में एकल तरंग- धैर्य प्रकाश (मोनोक्रोमेटिक) किरणें जब किसी पारदर्शक माध्यम ठोस,द्रव या गैस से गुजरती है तब इसकी छितराई किरणों का अध्ययन करने पर पता चला कि मूल प्रकाश की किरणों के अलावा स्थिर अंतर पर बहुत कमजोर तीव्रता की किरणें भी उपस्थित होती हैं। इन्हीं किरणों को रमन-किरण भी कहते हैं। भौतिक शास्त्री सर सी वी रमन एक ऐसे महान आविष्कारक थे,जो न सिर्फ लाखों भारतीयों के लिए बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह किरणें माध्यम के कणों के कम्पन्न एवं घूर्णन की वजह से मूल प्रकाश की किरणों में ऊर्जा में लाभ या हानि के होने से उत्पन्न होती हैं। रमन किरणों का अनुसंधान की अन्य शाखाओं जैसे औषधि विज्ञान,जीव विज्ञान,भौतिक विज्ञान,खगोल विज्ञान तथा दूरसंचार के क्षेत्र में भी बहुत महत्व है। मुंशी प्रेमचंद ने क्या खूब कहा है - ÷विज्ञान में इतनी विभूति है कि वह काल के चिह्नों को भी मिटा दे। विज्ञान में ढेर सारी खूबियां होती है जो राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस(नेशनल साइंस डे) सत्र 2022 ई. का प्रसंग (थीम) है - सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण। इस थीम से स्पष्ट होता है कि ÷आत्मनिर्भर भारत÷ के निर्माण में भारत के वैज्ञानिक कौशल की प्रमुख भूमिका होगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और स्वायत्त वैज्ञानिक संस्थानों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उत्सव कार्यक्रमों में सहयोग, उत्प्रेरण और समन्वयन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। डीएसटी ने 1987 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की स्थापना की। ये पुरस्कार हर साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रदान किए जाते हैं। इसी के साथ-साथ, विज्ञान दिवस पर विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा एसईआरबी महिला वैज्ञानिकों को उत्कृष्टता पुरस्कार और लोकप्रिय विज्ञान लेखन के लिए पीएचडी एवं पोस्ट डॉक्टोरल शोधार्थियों को 'अवसर' (एडब्ल्यूएसएआर) पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। कोई भी राष्ट्र बिना मानव के संभव नहीं है। राष्ट्र मानव श्रृंखला से ही निर्मित होता है। विज्ञान सत्य को उजागर करता है। विज्ञान असत्य पर सत्य की जीत का परिचायक है। विज्ञान अंधविश्वास को ख़त्म करता है। विज्ञान जीवन को विश्वास से परिपूर्ण करता है। सर आर्थर इग्नाशियस कॉनन डॉयल ने कहा था कि ÷विज्ञान व्यग्रता और अन्धविश्वास रूपी जहर की अचूक दवा है।÷ सर आर्थर इग्नाशियस कॉनन डॉयल,(22 मई 1859 - 7 जुलाई 1930) एक स्कॉटिश चिकित्सक और लेखक थे। देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2022 के बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ़ साइंस एंड टेक्नोलॉजी) को केंद्रीय बजट (बजट) 2022-23 में 14,217 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मंत्रालय में तीन विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को 6,000 करोड़ रुपये, जैव प्रौद्योगिकी विभाग को 2,581 करोड़ रुपये और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को 5,636 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन सभी विभागों ने देश में कोविड-19 महामारी से निपटने में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं को 2,894 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 1,680 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 39 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2021-22 में 35 करोड़ रुपये से अधिक है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद को 5,562 करोड़ रुपये दिए गए हैं। विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में आज भारत दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है। विश्व में भारत तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति है, जिसमें 634 विश्वविद्यालय सालाना 16,000 से अधिक डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर नौवें स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण वैज्ञानिक कुशलता का परिचायक है। एकीकृत दृष्टिकोण से समन्वयता, समता, सरलता और सफलता का जन्म होता है। भारत के दीर्घकालिक भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित दृष्टिकोण जरुरी है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण मानव जीवन को सबल बनाता है। अतएव हम कह सकते हैं कि वैज्ञानिक कौशल आत्मनिर्भरता का प्रतीक है और एकीकृत दृष्टिकोण वैज्ञानिक कुशलता का प्रतीक है।

मध्यप्रदेशः शिव-उमा की चौसर : उमा के "कमल" से परेशन "कमलदल'

ओमप्रकाश मेहता

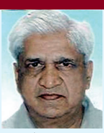

कभी भारतीय जनता पार्टी की ''मिसाईल'' मानी जाने वाली तेज-तर्रार नैत्री उमाश्री भारती इन दिनों अपनी उपेक्षा से काफी परेशान है उनका सीधा सा कथन है कि ''जिस काम को पूरी मेहनत से मैं पूरा करती हूँ, उसका श्रेय व लाभ कोई और उठा लेता है।'' पिछले दिनों उन्होंने अपना यह दर्द अपने गृह जिले टीकमगढ़ में व्यक्त किया, उनका कहना था कि उन्होंने आज से उन्नीस साल पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह की एक दशक पुरानी सरकार को शिकस्त देकर भाजपा को सत्ता दिलवाई और उसका लाभ अभी तक अन्य कोई उठा रहा है, यही स्थिति केन-बेतवा नदी लिंक योजना तथा ललितपुर-सिंगरौली रेल लाईन के साथ भी है, इन दोनों की उनकी अपनी परियोजनाओं को मूर्तरूप देते समय उनकी उपेक्षा की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि उमाजी ने 2002 में दिग्विजय सिंह के वर्चस्व को खत्म कर अपनी सरकार बनाई थी, किंतु वे कुछ ही महिनों मुख्यमंत्री रह पाई थी और एक गैर-जमानती अदालती वारंट के कारण उन्हें इस्तीफा देकर स्व. बाबूलाल गौर को सत्ता सौंपना पड़ी थी, बाबूलाल जी भी एक ही साल मुख्यमंत्री रह पाए और 2005 में शिवराज जी मुख्यमंत्री बन गए और वे आज भी मुख्यमंत्री है, बाद में उमाजी ने भाजपा से बाहर आकर भारतीय जनशक्ति पार्टी बनाई और चुनाव भी लड़ा। भाजपा में जब वापसी हुई तो उन्हें मध्यप्रदेश की सक्रिय राजनीति से बाहर रहना पड़ा और फलतः वे उत्तरप्रदेश की होकर रह गई, वे केन्द्र में मंत्री भी रही, किंतु 2019 में उन्हें पार्टी ने टिकट से वंचित कर दिया तभी से वे अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रही है और इसी उपेक्षा के चलते अब उन्हें कहना पड़ रहा है कि ''सरकार मैं बनाती हूँ, चलाता कोई और है।'' उमाजी की इसी उपेक्षा के बीच पिछले दिनों एक और वाक्या हो गया, उमाजी का गाया एक तीस साल पुराना भजन है जिसके बोल ''तेरे चरण कमल में श्याम लिपट जाऊँ रज बनके'' पिछले दिनों शिवराज जी को इस भजन की याद आई और उन्होंने उमाजी से उसका वीडियों मांग लिया, उमाजी ने अपना गाया हुआ वीडियों शिवराज जी को भेज दिया, किंतु इस भजन के बोल में जो 'कमल' शब्द का प्रयोग हुआ है उसे लेकर 'कमलदल' (भाजपा) में खलबली मच गई है, क्योंकि मध्यप्रदेश 'कमल' शब्द को लेकर काफी संवेदनशील है, कमलनाथ चूंकि कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे है, इसलिए भी यहां 'कमल' को लेकर काफी चर्चाऐं होती है। अब उमाजी की उपेक्षा के दौर में उनके इस भजन को लेकर सियासत का दौर गर्म है।

वैसे उमा भारती जी का भी मध्यप्रदेश में एक 'राजनीतिक युग' रहा है, भाजपा की संस्थापक स्व. राजमाता विजयराजे सिंधिया के आग्रह पर उमाजी ने भाजपा में प्रवेश किया था, वे अपने व्यक्तिगत जीवन में साध्वी है तथा बाल्यकाल से प्रवचन करती आ रही है, उनके प्रवचन से ही प्रभावित होकर राजमाता ने उन्हें राजनीति में आने का न्यौता दिया था, वे अटल-अड़वानी के 'युग' में काफी प्रभावशाली नैत्री रही और पार्टी की वरिष्ठ नैत्री मानी जाती रही, किंतु पार्टी मौजूदा नैतृत्व के दौर में उमाजी को 'समयानुकूल' नहीं मान रही और यही उन्हें पिछले लोक सभा चुनावों के समय टिकट नहीं देनेक का मुख्य कारण रहा। किंतु अब उन्होंने अभी से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है और भाजपा की राजनीति में उनकी 'जिद' काफी विख्यात भी है, इसलिए वे हर हाल में लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा को मूर्त रूप देगी, अब उन्हें 'रणक्षेत्र' कौन सा मिलता है, वह वे स्वयं चुनेगी या पार्टी यह उस समय की स्थिति-परिस्थिति पर निर्भर रहेगा, वे चुनाव अवश्य लड़ेगी। वैसे यदि मौजूदा राजनीतिक माहौल के अनुसार उमाजी की इस घोषणा व उनके कथनों का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए तो यह माना जा रहा है कि केन्द्रीय नेतृत्व की तरह वे मध्यप्रदेश पार्टी नेतृत्व से भी उपेक्षित ही है, उनकी नाराजी व मौजूदा तेवर का भी यही कारण है। उनकी मुख्य पीड़ा भी यही है, उनका मानना है कि आड़वानी-मुरली मनोहर जोशी की तरह मौजूदा नेतृत्व में उन्हें (उमाजी को) भी राजनीति के 'कूड़ेदान' में डालने की कौशिश की है, किंतु एक जिद्दी व हटी साध्वी के तेवर को नेतृत्व ने महसूस नहीं किया है और वे अब चुप बैठने वाली भी नहीं है, उन्होंने अपने मौजूदा तेवरों से अपनी नाराजी का सिर्फ ''ट्रेलर'' दिखाया है जिस दिन पूरी फिल्म सामने आएगी तब मौजूदा नेतृत्व को उमाजी की सही तस्वीर नजर आएगी।

हमले का अंजाम

सूडोकु नवताल- 5998

★★★★★ कठिनतम

		4			9			
	2			8	4			
8						3		
							9	4
	3						7	
5	6							
		7						9
			2	5			8	
			6			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -5997 का हल

5	9	1	2	8	4	3	6	7
6	4	2	3	5	7	9	1	8
8	3	7	9	6	1	4	2	5
4	7	5	8	2	6	1	9	3
3	6	9	7	1	5	8	4	2
1	2	8	4	3	9	7	5	6
7	5	6	1	9	8	2	3	4
9	8	3	5	4	2	6	7	1
2	1	4	6	7	3	5	8	9

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सिद्धार्थ शंकर

यूक्रेन पर रूस के हमले का अंजाम नहीं दिख रहा है। रूस की भारी बमबारी के बीच यूक्रेन को अमेरिका और यूरोप से सामरिक मदद मिलने लगी है। साथ ही रूस की वित्तीय घेराबंदी भी की जा रही है। वहीं, यूक्रेन के लोग भी रूस से दो-दो हाथ करने के लिए आगे आ रहे हैं। दो दिन के भीतर एक लाख लोगों ने हथियार उठा लिए हैं। हमले में दोनों देशों को खासा नुकसान पहुंचा है। अब तक कोई कम पड़ता नहीं दिखा है। इन सबका असर पुतिन पर पड़ना लाजिमी है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि मौजूदा हालात में कई संभावित नतीजे निकल सकते हैं। रूस पर लगाए गए प्रतिबंध और यूक्रेन का प्रतिरोध राष्ट्रपति पुतिन के लिए मुश्किल हालात पैदा कर सकता है। एक-दो हफ्ते की लड़ाई के बाद यूक्रेन और रूस संघर्ष-विराम के लिए तैयार हो सकते हैं। रूस यूक्रेन से पीछे हट जाएगा, क्रीमिया रूस के पास ही रहेगा और डोनबास क्षेत्र (लुहांस्क और डोनेट्स्क प्रांत) यूक्रेन के नियंत्रण के बाहर हो जाएगा। यूक्रेन के सामने दो परिस्थितियां होंगी। वो फिनलैंड की तरह तटस्थ रहेगा या फिर नाटो में शामिल होने के लिए गिड़गिड़ाएगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो नाइपर नदी के दोनों तरफ दोनों पक्ष डट जाएंगे। रूस का पूर्वी यूक्रेन और क्रीमिया पर पूर्ण नियंत्रण हो जाएगा। तनाव बरकरार रहेगा। पश्चिमी यूक्रेन कमजोर हो जाएगा और वह नाटो का हिस्सा बनने के लिए मिन्नतें करेगा। हो सकता है कि रूस जीत जाए, लेकिन यूक्रेन के पश्चिमी इलाके और अहम शहरों में पब्लिक

रेजिस्टेंस गुरिल्ला युद्ध की शक्ल ले लेगा। ऐसे में बहुत खूनखराबा होगा। अगर यूक्रेन जीता भी तो कम से कम एक जेनरेशन पीछे चला जाएगा। ऐसा भी हो सकता है कि रूस की सीधी जीत हो जाए। पूरा यूक्रेन उसके नियंत्रण में आ जाए या वह पूर्वी यूक्रेन को अपनी टेरिटरी में शामिल कर ले और पश्चिम यूक्रेन में अपने प्रभाव वाली सरकार बना दे। कुछ भी हो, लेकिन एक बात तय है कि रूस दुनिया में पहले से ज्यादा अलग-थलग हो जाएगा और उस पर प्रतिबंध और कड़े हो जाएंगे। रूस एक नाकाम राष्ट्र में भी बदल सकता है। सवाल यह है कि यूक्रेन को लेकर पुतिन अपना लक्ष्य हासिल कर भी लें तो वो युद्ध के नतीजों से कैसे निपटेंगे? यूक्रेन युद्ध के बाद ग्लोबल डिप्लोमैसी बदल जाएगी। यह नए शीतयुद्ध की शुरुआत भी हो सकती है। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। एक आशा दिखाई दे रही है, क्योंकि अभी तक रूस का आक्रमण उसकी उम्मीदों के मुताबिक धीमा और कुंद रहा है। चिंता की बात ये है कि कहीं पुतिन अपने फैसले को सही ठहराने के लिए हमले और तेज न कर दें। कहीं वो युद्ध के नियम न बदल दें, जिससे आम लोगों के जीवन पर खतरा और अधिक बढ़ सकता है। अमेरिका पहले से ही यूक्रेन की मदद कर रहा है। अमेरिका पिछले कई महीने से यूक्रेन को एंटी-टैंक मिसाइलें और सैन्य सहयोग दे रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आज ही यूक्रेन के लिए 35 करोड़ डॉलर के हथियार भेजने की अनुमति दी है। कई यूरोपीय देश भी सहयोग बढ़ा रहे हैं। लड़ाकू विमान भी भेज रहे हैं। ये बड़ी बात है कि यूक्रेन के लिए ये रक्षा सहयोग खुलेआम दिया जा रहा है। कोई इस तथ्य को छुपा नहीं रहा है कि वो यूक्रेन की तरफ से लडने् के लिए सैनिक भेज रहा है, जो रूस के खिलाफ लड़ेंगे। अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहा है, इसका एक पहलू ये भी है कि इससे रूस पर दबाव भी बनेगा। रूस पर प्रतिबंधों को लागू करने में यूरोपीय संघ का सहयोग जरूरी है। अमेरिका ने रूस के खिलाफ आर्थिक मोर्चे पर युद्ध छेड़ दिया है और यूरोपीय संघ इसमें सबसे अधिक एक्टिव है। रूस को फिलहाल एक साथ कई मोर्चे पर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक और युद्ध पर हर दिन 1.12 लाख करोड़ रुपए खर्च हो रहा है, वहीं रूस की करेंसी रूबल इस महीने 10त्न तक कमजोर हो चुकी है। पश्चिमी देशों ने रूस के साथ डॉलर-यूरो-पाउंड में कारोबार बैन कर दिया है। ऐसे में रूबल अभी और गिर सकता है।

भारत की भावनात्मक और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक हैं भगवान शिव

योगेश कुमार गोयल

देवाधिदेव भगवान शिव के समस्त भारत में जितने मंदिर अथवा तीर्थ स्थान हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में उनकी पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। भारत में धार्मिक मान्यता के अनुसार महाशिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। धर्मग्रंथों में भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है।

महाशिवरात्रि पर महाकाल की निकली शाही सवारी, भक्तों ने दिखाया उत्साह

मुरैना। मंगलवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कालों के काल महाकाल की शाही सवारी टाउन हॉल जीवाजी गंज से आरंभ हुई, जो शहर के विभिन्न मार्गो से गुजरी। इस चल समारोह में कई प्रकार की झांकियां एवं डीजे साउंड की धुनों पर शिव भक्त सड़कों पर नाचते दिखाई दिए, तो वहीं जगह-जगह शाही सवारी का भोले भक्तों ने फूल माला एवं आरती उतारकर स्वागत किया एवं जगह-जगह शीतल पेय एवं स्वल्पाहार से चल समारोह में चल रहे सभी भक्तों की सेवा की। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर महाकाल के भक्तों द्वारा महाकाल की शाही सवारी का आयोजन किया गया, जिसमें तमाम झांकियां ट्रैक्टर ट्रॉली पर सजाई गई एवं प्रत्येक टोली के आगे डीजे साउंड भोलेनाथ के गीतों पर चल रहे थे। शाही सवारी शाम 4 बजे टाउन हॉल जीवाजी गंज से आरंभ हुई जो शहर के जीवाजी गंज, जिला मंडल पंचायत रोड, गर्ल्स स्कूल रोड, गोपीनाथ की पुलिया, महामाया मंदिर, सदर बाजार, हनुमान चौराहा, मारकंडेश्वर मंदिर, स्टेशन रोड, अम्बाह रोड से होती हुई महाकाल मंदिर पर संपन्न हुई। इस शाही सवारी में आगरा एवं ग्वालियर से बैंड बाजे बुलाए गए थे, जिन्होंने शिव भक्ति दोनों पर गीत गाए, वहीं डीजे साउंड पर शिव भक्त जमकर नाचते हुए दिखाई दिए। शाही सवारी में महिलाओं की संख्या भी बड़ी तादाद में थी और सभी शिव भक्त पूरे उत्साह के साथ व्यवस्थाओं को देख रहे थे। शाही सवारी का जगह-जगह भव्य स्वागत शिव भक्तों द्वारा किया गया तो वहीं लोगों ने महाकाल की पूजा अर्चना की। चल समारोह को देखने के लिए सड़कों पर भारी भीड़ देखने को मिली, इसे देखते हुए पुलिस द्वारा कड़े सुरक्षा प्रबंध भी किए गए। इस दौरान हिंदू जागरण मंच सहित तमाम धार्मिक संगठनों एवं शिव भक्तों ने शाही सवारी का आत्मीय एवं भव्य स्वागत किया। शहर में निकली महाकाल की शाही सवारी के दौरान पुलिस ब्यवस्था चाकचौबंध रही।

शिवालयों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना

-जिले भर में महाशिवरात्रि पर्व मंदिरों पर उमड़ी भीड़

मुरैना। महाशिवरात्रि पर्व पर शहर के मंदिरों को सजाया गया है। महाशिवरात्रि पर्व पर सोमवार की सुबह से ही श्रद्धालु मंदिरों में पहुंचकर श्रद्धाभाव से भगवान शिव के दर्शन और पूजा अर्चना की। महाशिवरात्रि पर्व पर जिले भर के शिव मंदिरों पर मनाया जायेगा। महाशिवरात्रि पर्व श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। महाशिवरात्रि पर्व पर शहर में महादेव नाका स्थित शिव मंदिर, वनखण्डी रोड स्थित शिव मंदिर के साथ-साथ सिहोंनिया स्थित ककनमठ मंदिर, कोलुआ के प्रसिद्ध महादेव मंदिर, कैलारस के समीप पहाड़ी पर विराजे आरोपी शंकर महादेव मंदिर, ईश्वरा महादेव और अन्य शिव मंदिरों पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मनोकामना पूर्ति के लिये प्रार्थना की। महाशिवरात्रि पर्व पर भगवान शिव को गंगाजल अर्पण करने से मनोकामना पूर्ण हो जाती है। इसलिए अंचल से सैकड़ों श्रद्धालु एक सप्ताह पहले से सोरों घाट व हरिद्वार से गंगाजल भरकर लाये श्रद्धालुओं ने महाशिवरात्रि के अवसर पर समीप के शिव मंदिर भगवानर शिव को गंजाजल अर्पण किया। महाशिवरात्रि पर पंचामृत से अभिषेक करने का विशेष महत्व के चलते श्रद्धालओं ने भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए बेलपत्र धतूरा आदि भी चढ़ाते हैं जो कि भगवान शिव को बेहद प्रिय है। महाशिवरात्रि पर्व पर श्रद्धालु व्रत धारण कर भगवान शिव से परिवार की सुख समृद्धि की कामना भी करते हैं। कई मंदिरों में ठण्डाई की व्यवस्था भी की गई तथा कुछ मंदिरों में फल एवं प्रसादी का वितरण भी किया।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ने निकाली शिव यात्रा

मुरैना। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय माउंट आबू के मुरैना स्थित ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र के द्वारा महाशिवरात्रि के उपलक्ष में मुरैना शहर के मुख्य मार्गो से परमात्मा शिव की बारात के रूप में शिव भक्तों ने रैली निकाली। ब्रह्माकुमारी राजयोग केंद्र की प्रभारी रेखा दीदी ने बताया कि शिवरात्रि का त्यौहार शिव जयंती महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है।

इसी कड़ी में मंगलवार को रैली को सुंदर झांकियों से सजाया गया। डीजे तथा बैंड की धुन पर शिव भक्तों तथा ब्रह्माकुमार भाइयों को बहनों ने आधा किलोमीटर से लंबी लाइनों में सफेद वस्त्र धारी भाइयों, बहनों और माताओं ने हाथों में शिव संदेश व शिव ध्वज लिया। यह यात्रा प्रातः 9 सीताराम-पतिराम धर्मशाला रोड स्थित होली हाउस से प्रारंभ होकर शहर के प्रमुख मार्गों राम जानकी मंदिर, जीवाजी गंज, जिला मंडल पंचायत रोड, गर्ल्स स्कूल रोड, गोपीनाथ की पुलिया, महामाया मंदिर, सदर बाजार, हनुमान चौराहा, मारकंडेश्वर मंदिर, स्टेशन रोड, माल गोदाम रोड, पुरानी कलेक्टर, एम एस रोड होते हुए सीताराम-पतिराम धर्मशाला रोड पर शिव की बारात के रूप में संपन्न हुई। इस दौरान रैली में मौजूद लोगों ने शिव के जयघोष लगाते हुए उत्साहपूर्वक भागीदारी की। शिव शोभा यात्रा प्रारंभ होने से पूर्व ब्रम्हाकुमारी आश्रम पर नगर निगम आयुक्त के अस्तित्व में झंडा वंदन किया गया। तत्पश्चात शिवरात्रि के महत्व के बारे में भाई बहनों को जानकारी दी गई। रैली में सेवा धारी भाइयों सहित अन्य भाई-बहन उपस्थित रहे।

अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री पर छापा, दो आरोपी पकड़े

पांच हथियार एवं राउंड के साथ बनाने का उपकरण बरामद

मुरैना। जिले की पोरसा थाना पुलिस ने बीती रात कस्बे से 5 किलोमीटर दूर प्रेमपुरा में हथियार बनाने की फैक्ट्री पर छापा मारकर भारी मात्रा में हथियार एवं राउंड के अलावा कट्टे एवं बंदूक बनाने का सामान बरामद किया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उन्हें न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। पुलिस अधीक्षक आशुतोष बागरी के निर्देशन में अवैध हथियारों की तस्करी एवं निर्माण करने वाले गैंग के विरुद्ध जिले भर में अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत पोरसा थाना प्रभारी रामपाल सिंह जादौन को सोमवार की रात मुखबिर से सूचना मिली की कस्बे से 5 किलोमीटर दूर प्रेमपुरा गांव में कुछ लोगों द्वारा अवैध हथियार बनाए जा रहे हैं। इस सूचना पर थाना प्रभारी ने पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया और उन्होंने आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कार्यवाही करने को कहा। श्री जादौन के नेतृत्व में पुलिस टीम ने रात्रि को गांव में दबिश देकर हथियार बनाने की फैक्ट्री को घेर लिया और दो आरोपियों हरदेव सिंह तोमर एवं रंजीत सिंह तोमर को मौके से गिरफ्तार किया। पुलिस ने घटनास्थल से 315 बोर के दो कट्टे, 12 बोर का एक कट्टा, एक माउजर बंदूक, एक टोपीदार बंदूक, 12 राउंड 315 बोर एवं सामान बनाने की मशीन तथा लोहे का सामान आदि बरामद किया है।

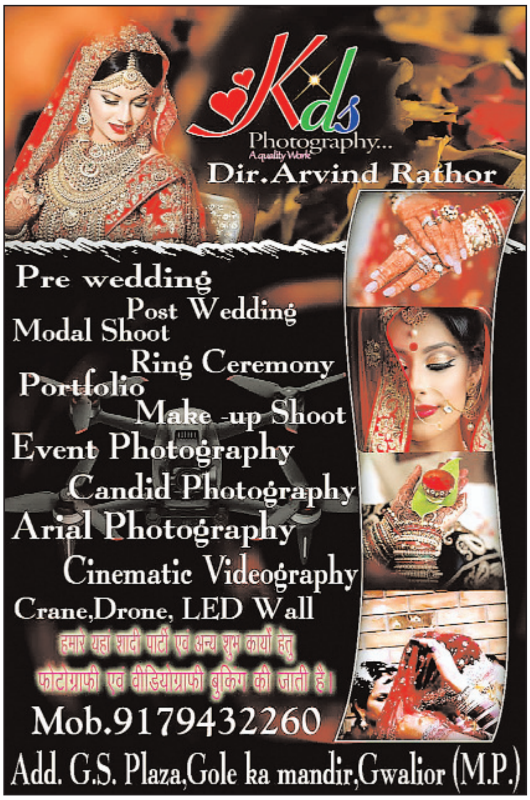

खेत दिवस कार्यक्रम में जैविक खाद से लाभ की विधि बताई

मुरैना। कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड मुरैना द्वारा ग्राम नूराबाद में खेत दिवस कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक यादव वरि. वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र, कार्यक्रम के विशेष अतिथि पीयूष गोयल ग्राम पंचायत सचिव मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवनंदन महाना सरपंच व राजाराम महाना प्रगतिशील कृषक ग्राम नूराबाद सिहोरा ने की। इस अवसर पर गाँव के लगभग आधा सैकड़ा किसान उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक यादव ने रासायनिक खाद के उपयोग कम करने के लिए सुझाव दिया गया तथा जैविक खाद से फसल एवं मृदा को होने वाले लाभ के बारे में भी विस्तार से बताया गया। साथ ही किसानों को तरल जैव उर्वरक, कम्पोस्ट, के उपयोग विधि को भी बताया गया। खेत दिवस कार्यक्रम के अवसर पर किसान राजाराम के कम्पोस्ट, तरल जैव उर्वरक उपयोग किये गए व खेत में किसानों द्वारा भ्रमण किया गया। कार्यक्रम के दौरान कम्पोस्ट एवं तरल जैव उर्वरक उपयोगकर्ता किसानों द्वारा अन्य किसानों के साथ अपने अनुभव शेयर किए गए, साथ ही अन्य किसानों को भी कम्पोस्ट एवं तरल जैव उर्वरक उपयोग करने की सलाह दी गई। कार्यक्रम के विशेष अतिथि पीयूष गोयल ने उपस्थित किसानों से जैविक खेती अपनाने, कृषि में जैविक खाद का महत्व पर प्रकाश डाला व कृभको द्वारा ग्राम में किये गए समस्त कार्यो का उल्लेख किया।

पार्टी को सशक्त बनाने हर कार्यकर्ता को जोडने की जरूरत: बहादुर सिंह

-समर्पण निधि हेतु जिला बैठक सम्पन्न

मुरैना। भारतीय जनता पार्टी जिले बैठक सांसद कार्यालय मे समर्पण निधि की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक मे उज्जैन विधायक बहादुर सिंह चौहान भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ योगेशपाल गुप्ता, भाजपा जिला प्रभारी अभय चौधरी, मध्यप्रदेश पिछडा वर्ग मोर्चा के चेयरमैन रघुराज कंषाना, पूर्व मंत्री रुस्तम सिंह, मुंशीलाल, जौरा विधायक सूबेदार सिंह, पूर्व विधायक शिवमंगल सिंह, पूर्व महापौर अशोक अर्गल, जिला पंचायत अध्यक्ष गीता हर्षाना प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय डण्डौतिया ने बताया कि सोमवार को मुरैना सांसद कार्यलय में भाजपा जिले की कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष ने बैठक का मुख्य उद्देश्य समर्पण सहयोग निधि में मिले लक्ष्य को जल्द से जल्द पूर्ण करना एवं बूथ विस्तारक योजना मे लगे सभी कार्यकर्ताओ की समीक्षा सहित अन्य विषयो पर चर्चा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उज्जैन विधायक बहादुर सिंह चौहान ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अपनी निष्ठा समर्पण सक्रियता के कारण हजारो के भीड मे अलग पहचान रखता है। प्रत्येक कार्यकर्ता पूरी सक्रियता के साथ हर कार्यक्रमों में अपनी भागीदारी सुनिश्चित कर गति प्रदान करता है। जिला प्रभारी अभय चौधरी ने बूथ विस्तारक योजना की समीक्षा की साथ ही उन्होंने ग्राम केन्द्र के अन्तर्गत आने वाले मतदान केन्द्रो की एन्ट्री नहीं हुई है उन्हें विस्तारको को जल्द से जल्द एन्ट्री करने हेतु निर्देशित किया। भाजपा जिलाध्य डॉ योगेशपाल गुप्ता ने जिले के वृत रखते हुए बताया कि जिले में सभी बूथ विस्तारक पूर्ण निष्ठा से कार्य कर रहे हैं एवं हम आजीवन सहयोग निधि का लक्ष्य भी पूरी निष्ठा के साथ एकत्र कर राशि प्रदेश कार्यालय मे जल्द से जल्द जमा करेगें।

विदेश सचिव से मिले पाली सांसद पी.पी. चौधरी: पाली

■ यूक्रेन से भारतीय स्टूडेंटस और नागरिकों की जल्द सकुशल वापसी के लिए किया आग्रह

■ विदेशी मामलों की स्थाई समिति के सभी सदस्यों ने भारत सरकार के कदमों को सराहा

ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

नई दिल्ली/जोधपुर/पाली। पाली सांसद और पूर्व केन्द्रीय राज्यमंत्री पीपी चौधरी ने सोमवार को नई दिल्ली में विदेश सचिव हर्षवर्धन श्रृंगला से मुलाकात की। इस दौरान सांसद चौधरी ने श्रृंगला से यूक्रेन से भारतीय स्टूडेंटस् और नागरिकों की सकुशल वापसी के मुद्दे पर विस्तृत बातचीत की। वहीं पिछले तीन दिनों से सांसद लगातार रूप से यूक्रेन के कीव में भारतीय दूतावास के अधिकारियों से भारतीयों की वापसी संपर्क साधे हुए हैं।

सांसद चौधरी ने बताया कि विदेश सचिव से मुलाकात के दौरान उन्होंने एक पत्र भी सौंपा। इस पत्र के साथ यूक्रेन में फंसे भारतीय बच्चों और नागरिकों की सूची भी दी गई। इस सूची में सांसद हेल्पलाइन नम्बर पर वतन वापसी के लिए देश भर और यूक्रेन से भारतीयों के नाम सम्मिलित है, जिसमें पाली संसदीय क्षेत्र के 20 स्टूडेंटस भी सम्मिलित है। सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में विदेश मंत्रालय द्वारा ऑपरेशन गंगा के माध्यम से भारतीयों को यूक्रेन से सकुशल वापसी करवा रहा है। इस ऑपरेशन के तहत अभी तक 6 फ्लाइटस् के जरिए हजार से अधिक बच्चों व नागरिकों की सकुशल वापसी हुई हैं।

सांसद चौधरी ने विदेश सचिव से आग्रह किया कि उनके पाली संसदीय क्षेत्र सहित राजस्थान व देशभर के बड़ी संख्या में विद्यार्थी और नागरिक अभी भी यूक्रेन में हैं। वहां के उत्पन्न हालातों के कारण अध्यननरत बच्चे, नागरिक और भारत में उनके अभिभावक काफी चिंतित है। देश को विश्वास है कि विगत

कोरोना काल में जिस तरह विदेशों से नागरिकों को लाने में भारत सरकार सफल रहीं थी, उसी तरह इस भंयकर विकट परिस्थिति में भी नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार यूक्रेन से सभी भारतीयों की सुरक्षित वापसी करवाकर ही चैन की सांस लेंगी। यूक्रेन मामले में विदेशी मामलों की समिति ने की सराहना:* इससे पूर्व पाली सांसद एवं समिति के अध्यक्ष पीपी चौधरी की अध्यक्षता में अनुदान की मांगों पर वित्तीय स्वीकृति को लेकर विदेशी मामलों की स्थाई समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में सभी दलों के शामिल सांसद सदस्यों ने यूक्रेन मामले में भारतीयों की वापसी को लेकर उठाए जा रहे भारत सरकार के कदमों की सराहना की। बैठक में विदेश मंत्रालय के विदेश सचिव एवं सभी विभागों के संयुक्त सचिव उपस्थित रहें।

उदयपुर में माली समाज पंचायत संस्थान के 16 वें स्थापना दिवस पर

जितेंद्र सिंह ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

राजस्थान । वहाँ निर्माणाधीन समाज भवन में समारोह आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में आदरणीय श्री सुनील परिहार जी डायरेक्टर स्वतंत्र प्रभार रीको,श्री राजेन्द्र गहलोत जी राज्यसभा सांसद,श्री मोतीलाल साँखला जी राष्ट्रीय अध्यक्ष फुले जागृति मंच,श्री अनुभव चंदेल जी प्रदेश अध्यक्ष विध्यानगर संस्थान जयपुर,श्री योगेश गहलोत जी जोधपुर,श्री राजेश टाक जी सोजत के साथ में अतिथि के रूप में शिरकत की साथ में राज0प्रदेश माली सैनी महासभा की युवा शाखा के श्री चंद्रशेखर चौहान प्रदेश प्रवक्ता,श्री राजकुमार माली एडवोकेट प्रदेश सचिव व उनकी संपूर्ण भीलवाड़ा टीम,श्री यतीश सतरावला अजमेर ज़िलाध्यक्ष एवम् श्री आदित्य ढलवाल अजमेर उत्तर विधानसभा अध्यक्ष आदि युवा साथीगण उपस्थित रहे।

आओ हाथ बढ़ायें सेवा संस्था का अष्टम कार्यक्रम सुंदरकांड पाठ एबं प्रसादी वितरण

अमित शर्मा रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर । जय सिद्ध तलवार वाले महाराज की महाशिवरात्रि के उपलक्ष्य में आओ हाथ बढ़ायें सेवा संस्था का अष्टम कार्यक्रम सुंदरकांड पाठ एबं प्रसादी वितरण तथा जरूरतमन्दों के लिए फल एवं भोजन प्रसादी का वितरण हिमांशु मिश्रा आशीष, श्रीमती संगीता जी , विश्वम्भर दिनेश आनन्द,अनूप चन्देल अनूप सेंगर जी , प्रणय राठौर, श्रीमती नेहा कर जी एवं श्री हरेंद्र जी के सहयोग से तथा शिवकांत, विवेक आलोक महेश,एवं हिमांशु श्रीवास्तव के विशेष प्रयासों से सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ, सभी प्रायोजकों एवं सभी बंधुजनों का सह्रदय धन्यवाद। कार्यक्रम हेतु फल वितरण का प्रबंध जयदीप सिरसवार एवं परिवार द्वारा किया गया, जिसके लिए संस्था की तरफ से धन्यवाद एवं आभार।प्रसादी हेतु राजदीप जी द्वारा दिये गए विशेष योगदान के लिए धन्यवाद एवं आभार।

सुजारा बांध नहर का पाइप फटने से किसान के खेत में भरा पानी किसान की फसल खराब

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजली टुडे

पलेरा । मंगलवार को रात्रि लगभग 11ः00 वजे सुजारा बांध नहर का पाइप फट जाने के कारण ग्राम पंचायत बखतपुरा ब्लॉक पलेरा जिला टीकमगढ़ मध्य प्रदेश निवासी मुकेश पटेल की तीन वीगे की मटक खेत में पानी भर जाने के कारण पूर्णतः नष्ट हो गई है जब इसकी जानकारी बुंदेलखंड किसान मजदूर संघ के पदाधिकारी कार्यकर्ताओं को लगी तो मौके पर तहसील संगठन मंत्री नाथूराम लोधी मौके पर पहुंचे एवं फसल का निरीक्षण किया एवं वहीं से फोन के माध्यम से बुंदेलखंड किसान मजदूर संघ दिनेश कुमार निरंजन राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष को किसान ने फोन पर अपनी घटना से अवगत कराया दिनेश कुमार निरंजन के द्वारा कहा गया कि सुजारा बांध परियोजना में शासन प्रशासन का कई करोड़ों रुपया

खर्च हो गया लेकिन सुजारा बांध की नहर बनाते समय लोकल पाइपों का उपयोग किया गया है, शासन-प्रशासन को इन पाइपों की उचित जांच भी करनी चाहिए एवं वही दिनेश कुमार निरंजन ने नहर के प्रशासनिक अधिकारियों से एवं ब्लॉक पलेरा के प्रशासनिक अधिकारियों से बात करके मुकेश पटेल को उसकी फसल का उचित मुआवजा दिलाने में मदद करेंगे इस मौके पर मुख्य रूप से पंकज पटेल, शिवम पटेल, नाथूराम लोधी, बबलू पटेल, राजाराम राजपूत, अमोले राजपूत, शिबू लोधी, पुष्पेंद्र पटेल, आदि मुख्य रूप से एवं भारी संख्या में ग्राम पंचायत बखतपुरा के किसान उपस्थित रहे।

प्रसूताओ की मददगार बने 108 एमव्यूलेन्स के चालक व ई एम टी

प्रसूताओं ने अलग अलग 108 एमव्यूलेंसों में दिया नव जात शिशुओं को रास्ते ही जन्म

सोनू कुमार माथुर ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

एटा 108 एमव्यूलेन्स जनपद में काफी चर्चा का विषय बनती जा रही है जिससे आज दिनांक मंगलवार को प्रातः नीलम पत्नी नरेंद्र कुमार ने 108 पर फोन से सूचित किया कि हमारी पत्नी गर्भवती है और उसके प्रसव का पूर्ण समय है जिसपर सूचना मिलते ही 108 एमव्यूलेन्स सूचित करता के गांव हर्सिंग पुर कोतवाली देहात पर समय रहते पहुच गई और प्रसूता महिला को तत्काल 108 एमव्यूलेन्स से जिला महिला अस्पताल लाने गए तभी रास्ते मे कासगंज रॉड आइसर पेट्रोल पम्प के पास आते ही प्रसूता को काफी दर्द होने लगे तभी साथ आरही आशा मिथलेश ने अपनी सूझ वूझ से एमव्यूलेन्स चालक व ई एम टी की सहायता लेते हुए आशा ने प्रसूता की पीड़ा को समझे हुए एमव्यूलेन्स में ही प्रसव कराया और प्रसूता व शिशू दोनो ही स्वस्थ है फिर वही से महिला जिला अस्पताल में भर्ती कराया ।इसी क्रम में दूसरी 108 एमव्यूलेन्स में अफसाना वेगम पत्नी पप्पन खां निवासी असरोली कोतवाली देहात ने भी एमव्यूलेन्स स्टाफ के सहयोग से कचहरी इस्थित आज प्रातः एक वच्चे को जन्म दिया फिर स्टाफ ने महिला जिला अस्पताल में भर्ती कराया और जच्चा बच्चा दोनो की स्वस्थ होने की जानकारी मिलते ही परिजनों ने एमव्यूलेन्स स्टाफ की भूरि भूरि प्रसंसा की ।

महुआ विधायक ओम प्रकाश हुडला ने विधानसभा में रखी माली समाज की मांग

जितेंद्र सिंह ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

राजस्थान । हाल ही में हुए माली समाज के आंदोलन को चेतावनी मानते हुए महुआ विधायक ओमप्रकाश हुडला ने महात्मा ज्योतिबा फूले दंपति को भारत रत्न और कन्या महाविद्यालय का नाम माता सावित्रीबाई फुले के नाम पर रखा जाने की मांग को विधानसभा में रखा यूथ जिलाध्यक्ष माली समाज राजेश सैनी वह जिला प्रवक्ता प्रहलाद माइंस कांट्रेक्टर घनश्याम सैनी ने विधायक ओम प्रकाश हुडला का आभार व्यक्त किया।

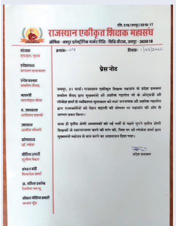

राजस्थान एकीकृत शिक्षक महासंघ

प्रेस नोट

दबोह में चला प्रशासन का बुल्डोजर,हटाया गया स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण

अर्पित गुप्ता उपसम्पादक पुष्पांजली टुडे

दबोह- नगर में सोमवार को स्थानीय प्रशासन तथा पुलिस प्रशासन की संयुक्त कार्यबाही ने दबोह में बर्षो से जमे स्थाई एवं अस्थाई अतिक्रमण को हटाया गया।यहां बता दें कि भिंड भांडेर रोड के दोनों तरफ दुकानदारों ने मुख्य बाजार से स्थाई एवं अस्थाई रूप से अतिक्रमण कर रखा था जिसके चलते रोड पर बाहनो को निकले में काफी परेशानी होती थी। कभी-कभी तो यह स्थिति हो जाती थी कि रोड पर एक दो घण्टे तक जाम लग जाता था प्रशासन के द्वारा कई बार व्यापारियो के अतिक्रमण को हटाया जा चुका है पर कुछ समय बाद नगर में वही स्थिति निर्मित हो जाती थी।जिसके चलते सोमवार को लहार अनुविभागीय अधिकारी के.वी.विवेक के नेतृत्व में रोड के दोनों तरफ किये गए अतिक्रमण को हटाया गया।यह कार्यबाही दोपहर 3 बजे से शाम 7 बजे तक की गई।इस दौरान एसडीएम बोले कि बुधवार को भी दबोह में अतिक्रमण हटाया जाएगा।इस कार्यवाही में लहार एसडीएम के साथ लहार एसडीओपी अवनीश बंसल रहे। वहीं उनके साथ स्थानीय नगर परिषद अधिकारी बाबू लाल कुशबाह मौजूद रहे।कार्यवाही के दौरान जब अतिक्रमण को हटाया जा रहा था तब कुछ दुकानदारों का सामान भी पड़ा हुआ था जिसे नगर परिषद के कर्मचारियों ने अपने बाहन में रख कर नगर परिषद परिसर पहुचाया।तथा स्थानीय प्रशासन ने दो जेसीबी मशीनों को काम पर लगा रखा था साथ ही बता दे कि प्रशासन ने दुकानदारों को कुछ समय पूर्व अपने सामान हटाने के लिए नोटिस जारी किए गए थे।जिस पर कुछ व्यापारियो ने तो अपना सामान नाले के अंदर कर लिया था तो कुछ व्यापारियो ने अपना रखा हुआ सामान नही हटाया था जिसे सोमवार को प्रशासन ने हटा दिया।अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस खाली कराई गई जगह को कब तक अतिक्रमण मुक्त रख पाता है।यहाँ बता दें कि अतिक्रमण हटाओ मुहिम के दौरान पूर्व मंत्री व लहार विधायक डॉ.गोविन्द सिंह भी एक कार्यक्रम में शामिल होने दबोह पहुंचे थे जिस दौरान प्रशासन के द्वारा की जा रही कार्यवाही को देख वह रुके,इस दौरान एसडीओपी अवनीश बंसल ने उनसे कहा कि आप आपको भांडेर से लेकर भिण्ड तक रुकना नही पड़ेगा।

इनका कहना

1-हमारा मुख्य उद्देश्य मुख्य बाजार से अस्थाई अतिक्रमण हटाना है,यह कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

के.वी.विवेक एसडीएम लहार

2-भिण्ड भांडेर रोड नेशनल हाइवे हो गया है जिसके चलते हम रोड क्लेयर कर रहे हैं।

अवनीश बंसल, एसडीओपी लहार

अखिल भारतीय पेंशन बहाली सयुंक्त मोर्चा की राष्ट्रीय बैठक दिल्ली मैं सम्पन

संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक बने जनक सिंह रावत

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी --पुरानी पेंशन के लिए देश के लिए विभिन्न राज्यों मैं अनेक संगठन एवं राष्ट्रीय संघठनो द्वारा संघर्ष किया जा रहा है द्यराजस्थान सरकार द्वारा अपने राज्य के कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बहाल कर दी गई हैंद्यअब सभी कर्मचारी संघो द्वारा फैसला किया गया कि हम सब मिलकर एक साथ सभी संगठन संगठित होकर अपने हक और अधिकार के लिए लड़ेंगे जब तक पुरानी पेंशन नहीं मिलेगी आज दिल्ली के दत्त भवन में 8 राज्यों के सभी संघठनो की बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता उत्तर प्रदेश यूटेक प्रदेशध्यक्ष प्रदीप सरल ने की इसमें मध्यप्रदेश से जनक सिंह रावत,वीरेंद्र रावत पंजाब से जसविंदरसिंह तलवाड़ा,सत्यनारायण हिमाचल से प्रवीण शर्मा एल डी चौहान तेलंगाना से संपत कुमार स्वामी राजस्थान से विनोद चौधरी जम्मूकश्मीर से भूपेंद्रसिंह,अख्तर अब्बास साह फैयाज, कुलदीप चंद ,देवपाल सिंह राणा ,अनुप कुमार, राघवेंद्र प्रताप सिंह, तीरथ सिंह एवं अनेक संघो के अध्यक्ष उपस्थित रहे बैठक में तय किया गया कि सभी संगठन अपने-अपने प्रदेशों में अपने अपने बैनर तले पुरानी पेंशन की लड़ाई लड़े एवं राष्ट्रीय स्तर पर सभी संगठन एक होकर अखिल भारतीय पेंशन बहाली सयुंक्त मोर्चा के रूप में सामूहिक रूप से संघर्ष करेगा जिस तरह किसानों का संयुक्त मोर्चा बना उसी की तरह पर पेंशन के लिए भी कर्मचारियों का संयुक्त मोर्चा बना है जो अपनी मांगों के लिए दृढ़ संकल्पित है अप्रैल माह में देश के सभी सांसदों को पुरानी पेंशन के लिए ज्ञापन दिया जाएगा मई 2022 में दिल्ली के जंतर मंतर पर अनशन किया जाएगा जिसमें केंद्र सरकार से आग्रह किया जाएगा की न्यू पेंशन स्कीम को माननीय प्रधानमंत्री जी समाप्त करें जिससे पूरे देश में एक साथ पुरानी पेंशन बहाल हो जाए और कर्मचारी अपना सामाजिक जीवन निश्चिंत होकर ही जी सके अखिल भारतीय पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा में कोई राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं होगा 8 सदस्यों की कोर कमेटी होगी ये सभी राष्ट्रीय संयोजक की भूमिका मैं काम करेंगे विनोद चौधरी,जनक सिंह रावत, प्रदीप सरल, जसविंदर सिंह तलवाड़ा, भूपेंद्र सिंह, शाह फैयाज, एल डी चौहान , संपत कुमार स्वामी सहित सभी 8 सदस्यों को अखिल भारतीय पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी दी गई है।

सहकारिता मंत्री डॉ भदौरिया 4 मार्च से 6 मार्च तक जिले के भ्रमण पर रहेंगे

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया जिले में 4 मार्च, 5 मार्च एवं 6 मार्च 2022 को तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। निर्धारित कार्यक्रम अनुसार सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया 3 मार्च 2022 को अपरान्ह 3 बजे कार द्वारा भोपाल से प्रस्थान कर रात्रि 10 बजे भिण्ड आऐंगे एवं रात्रि विश्राम भिण्ड में ही करेंगे। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन विभाग के मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया 04 मार्च 2022 को प्रातः11 बजे ग्राम गोपालपुरा में, दोपहर 12.30 बजे ग्राम महापुर में, दोपहर 1.30 बजे ग्राम ऐतहार में, दोपहर 2.30 बजे ग्राम बिछौली में, अपरान्ह 3.30 बजे ग्राम मसूरी में विकास कार्यों का भूमिपूजन/ लोकार्पण व जनसंपर्क करेंगे एवं ग्राम मसूरी में डॉ परिहार के बगीचे में कार्यक्रम में शामिल होंगे। इसीप्रकार सहकारिता मंत्री डॉ भदौरिया 05 मार्च 2022 को प्रातः11 बजे ग्राम विण्डवा में, दोपहर 12.30 बजे ग्राम खिपौना में विकास कार्यों का भूमिपूजन/ लोकार्पण व जनसंपर्क करेंगे दोपहर 1.30 बजे ग्राम हुलापुरा में जनसंपर्क एवं स्व. श्री रामदास शखवार के निवास पर उनके परिजनों से भेंट, दोपहर 2 बजे ग्राम गोहदूपुरा में ग्राम रतनपुरा, ग्राम खेरी एवं ग्राम जमसारा में जनसंपर्क, अपरान्ह 3 बजे ग्राम आकोन में विकास कार्यों का भूमिपूजन/ लोकार्पण एवं जनसंपर्क करेंगे। सहकारिता मंत्री डॉ अरविन्द सिंह भदौरिया 6 मार्च 2022 को प्रातः10.30 बजे ग्राम पंचायत सिहुडा में, प्रातः11.30 बजे ग्राम पंचायत कनावर में, दोपहर 1.30 बजे ग्राम पंचायत सांकरी में विकास कार्यों का भूमिपूजन /लोकार्पण एवं जनसंपर्क, दोपहर 2.30 बजे ग्राम पंचायत सराया में विकास कार्यों का भूमिपूजन/लोकार्पण व जनसंपर्क/ ग्राम ज्ञानपुरा में शासकीय हाईस्कूल का लोकार्पण करने के उपरांत सहकारिता मंत्री डॉ भदौरिया सायं 4 बजे भिण्ड से कार द्वारा भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे।

सैनी विकास संस्थान अध्यक्ष भागचंद सैनी ने निजी प्रोग्राम में भाग लिया

जितेंद्र सिंह ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

राजस्थान । शादी समारोह प्रोग्राम में सैनी ने कहा आज के समय में समय की बहुत कमी है समाज की जो यूथ पीडी है उनसे आग्रह है अपने समय को यूं ही बर्बाद ना करें युवा पीढ़ी अच्छी पढ़ाई करें अच्छी तैयारी करें और अपने घरवालों का नाम रोशन करें क्योंकि जब एक बाप अपने बेटे और बेटी को पढ़ाता है तब घर में कतई एक वक्त की रोटी का जुगाड़ हो ना हो पर बाप अपने बेटे को कभी एहसास होने नहीं देता इसलिए सभी यूथ पीडी से मेरा विनम्र आग्रह है कि अपने माता और पिता के बलिदान को समझने की कोशिश करें इस अवसर पर रामकिशन जी मोहन जी ठेकेदार शंकर जी एलआईसी आदि समाज बंधु उपस्थित रहे।

विकलांग बल , गृह विभाग ने बड़ी धूमधाम से मनाया अर्धनारी रुप में जानने वाली किन्नर समाज की गुरुमाता कोमल दीदी का जन्मदिन

विनोद पाठक ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

श्योपुर - शिवरात्रि के पावन पर्व पर श्योपुर जिले में किन्नर समाज की गुरु माता कोमल दीदी का जन्मदिन विकलांग बल ने बड़ी धूमधाम से उनके आश्रम पर जाकर मनाया और सभी विकलांग भाई बहनों ने कोमल दीदी को शुभकामनाएँ एवं बधाई दी। अर्धनारी शक्ति रुप में जानी जाने वाली कोमल दीदी विकलांगों के हित के लिए हमेशा तैयार रहती हैं। इस अवसर पर विकलांग बल ग्रह विभाग के सम्पर्क अधिकारी किशन खंडेलवाल ,पर्ववेशक भरत शर्मा प्रदेश उपाध्यक्ष विनोद पाठक, जिलाध्यक्ष विक्की दिशित , श्रीमती अनीता राठौर, श्रीमती धापू बाई रजक, धरती बाई, , संजय वर्मा, सतीश नागर, बबलू बंजारा, मुकेश मीणा, धासीराम प्रजापति, विष्णु प्रजापति, रामराज सुमन धनपाल जाटव, मुबारिक अली, नुरुल हसन हाशमी आदि विकलांग कार्यकर्त्ता उपस्थित रहे। कर श्री राम कथा का श्रवण करने भारी संख्या में पहुंच रहे है।

यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव आशीष बेरवा ने किया खंडार विधानसभा का दौरा

जितेंद्र सिंह ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

राजस्थान । ईसरदा निवासी राजू यादव के इटावा बालाजी के मंदिर निजी कार्यक्रम में आशीष बेरवा ने भाग लिया इस अवसर पर हंसराज गुर्जर राजू जाट विनोद सैनी आदि लोग उपस्थित रहे।

राहुल मोटर्स के द्वारा जिला स्तरीय दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

संजय सिंह तोमर रिपोर्टर पुष्पांजली टुडे

आगरा फतेहाबाद रोड स्थित मियांपुर कलाल खेरिया में राहुल मोटर्स के द्वारा प्रथम दौड़ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया आयोजन को तीन वर्गों में किया गया जूनियर बालक की 1600 मीटर, जिसमे 13 वर्ष से 16 वर्ष तक के एवम 3200 मीटर में 17 वर्ष से 19 वर्ष तक बालिकाओं में 1600 मीटर में 13 वर्ष से ऊपर की प्रतियोगिता की गई जिसमे बालिकाओं में जरार की अम्बिका वर्मा ने प्रथम स्थान और द्वतीय स्थान शिवानी यादव तृतीय स्थान पर रुचि यादव रही जूनियर बालिक में किरावली के अंकित इन्दोलिया प्रथम द्वतीय स्थान पुष्पेन्द्र एवम तृतीय स्थान पुष्पेंद्र यादव रहे सीनियर बालक नौ पुरा लकावली के गौरी कुशवाह प्रथम , निक्की भारती द्वतीय और तृतीय स्थान मनीष लोधी रहे । तीनो प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को राहुल मोटर्स के द्वारा साइकिल और गोल्डमेडल के द्वारा पुरस्कृत किया गया द्वतीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को ट्रैक सूट व मैडल से सम्मानित किया गया राहुल मोटर्स के चेयरमैन विनोद राजपूत ने कंहा की यह आयोजन हमने पहली बार कराया है इस तरह के आयोजन भविष्य में हमारे द्वारा होते रहेंगे जिससे क्षेत्र के युवाओ में जागरूकता आएगी और धीरे धीरे बड़े बड़े आयोजनो में हिस्सा लेंगे और हमारे देश का नाम रोशन करेंगे आयोजन में सैकड़ों की संख्या में दूरदराज से लोगो का जनसैलाब दर्शक बनकर बच्चों का हौसला बढ़ा रहे थे आयोजन में मुख्य रूप से राहुल मोटर्स के चेयरमैन राजेश राजपूत विनोद राजपूत रामनिवास राजपूत हरेंद्र राजपूत रनवीर सिंह दीवान सिंह राजेश राजपूत रामलाल यादव नेत्रपाल राजपूत उमेन्द्र डॉ राजेन्द्र सिंह विष्णु प्रताप वर्मा प्रयाग नारायण हरिकिशन लोधी दुर्गेश कुमार अजय कुमार लोकेश युवराज सिंह हिम्मत सिंह प्रकाश राजपूत राजवीर नरेन्द्र सिंह अंकुर सिंह कृष्णा दीपक राजपूत भूरा महेश राजपूत रामनरेश रमेश इत्यादि से उपस्थित रहे

जो ठाकुर जी की शरण मैं रहता है उसका भार प्रभु स्वयं उठाते हैं : नंदिनी भार्गव

अनिल कुशवाह ब्युरो पुष्पांजली टुडे

शिवपुरी- श्रमद्भागवत ज्ञान यज्ञ के साथ शहीद चंद्रशेखर आजाद की स्मृति (गौरव दिवस) के रूप में संपन्न,खनियाधाना सीतापाठा पर,मेला प्रांगण मै आयोजित श्री मद भागवत ज्ञान यज्ञ मै विराम दिवस की कथा में वालयोगी पंडित श्री वासुदेव नंदिनी भार्गव जी ने गोर्वधन धारण की कथा का श्रवन कराते हुए बताया की इंद्र ने जब मूसलाधार वर्षा की की तो ब्रजवासियों ने भगवान की शरण ग्रहण की और फिर भगवान ने गिर्राज को धारण किया अर्थात जो भगवान की शरण में जाता है उसके सारे भार भगवन खुद उठा लेते है एवं भगवान की रास क्रीड़ा एवं भगवान और रुक्मणि जी के विवाह की कथा का श्रवण कराया।साथ ही शुकदेव जी के अंतिम उपदेशों पर कथा सुनाई। शहीद चंद्रशेखर आजाद की स्मृति के भव्य समारोह के दौरान,कवि सम्मेलन, श्री मद्भागवत कथा एवं शिव जी की वारात के साथ महाशिवरात्रि पर्व भी धूमधाम से मनाया गया।शिव जी की बारात पोठ्याई मन्दिर से शुरू हुई जो बस स्टेंड होते हुए साहू समाज मन्दिर पहुंची जहां पर भगवान शिव जी का तिलक हुआ और बारात का स्वागत हुआ

सनातन धर्म की रक्षा के लिए रामचरितमानस का उदय हुआ रामायणी

मोनू बाथम पुष्पांजली टुडे

गोहद,ग्राम भोनपुरा में श्री राम कथा के प्रथम दिन पंडित किशोरचंद्र ,,रामायणी,, ने तुलसीदास गोस्वामी महाराज की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि गोस्वामी जी महाराज का जन्म उस समय हुआ जब हम सनातन धर्म का उदय प्रारंभ हो रहा था वेद की ऋचायें सुनने को भी नहीं मिल रही थी ऐसे समय में पूज्य स्वामी जी का जन्म हुआ। उन्होंने नागरी अथवा ग्रामीण भाषा में राम चरित्र मानस की रचना कर सनातन धर्म की रक्षा और राम चरित्र मानस के माध्यम से जनमानस मैं मानवता की गंगा जागरूक की ज्ञान गंगा का ग्रामीण भाषा में रचनाकार उन्होंने श्री रामचंद्र के चरित्र से दुनिया को यह संदेश दिया कि मर्यादित और धर्म के संपूर्ण लक्षणों से समन्वित जीवन को श्री राम के जीवन को देखकर आम जनमानस सीख लेनी चाहिए ।आज की कथा में सर्व प्रथम गुरु वंदना और राम नाम की महिमा भक्त गणों को सुनाई गई कल बुधवार को भगवान शिव और सती के चरित्र का वर्णन किया जाएगा कथा के प्रथम दिन भिंड मुरैना के तमाम ग्रामीणों के ग्रामीण ट्रैक्टरों में बैठ।

नई आबकारी नीति महंगा और घाटे का सौदा

राजधानी की 58 में से एक भी शराब दुकान का नहीं हुआ ठेका

भोपाल। प्रदेश सरकार की नई आबकारी नीति के कारण पीने वालों की संख्या में बढ़ोतरी का अनुमान है, लेकिन सरकार की शर्तों और दरों पर ठेकेदार शराब बेचने को तैयार नहीं हो रहे हैं। नई आबकारी नीति को लेकर राजधानी सहित प्रदेशभर के बड़े शराब ठेकेदार अड़ गए हैं। उनका कहना है कि नई आबकारी नीति में शराब महंगी हो गई है, वहीं हमें कोई मुनाफा नजर नहीं आ रहा है। यह घाटे का सौदा है। शायद यही कारण है कि भोपाल जिले की 22 ग्रुप की 58 दुकानों के लिए खोले गए टेंडर में सरकार पर दबाव बनाने के लिए बड़े समूह आगे नहीं आए। 11 समूहों ने टेंडर भरे थे, लेकिन यह प्राइज रेट से 45 फीसदी कम पर आए। इसके चलते भोपाल जिले की 58 में से एक भी दुकान का ठेका नहीं हो सका। गौरतलब है की इस बार प्रदेशभर में नई आबकारी नीति के खिलाफ ठेकेदार लामबंद हो गए हैं। किसी भी जिले में अभी तक सभी शराब दुकानों को ठेका नहीं हुआ है। वहीं भोपाल जिले के बड़े शराब ठेकेदार दूसरे दौर की टेंडर प्रक्रिया में एकजुट नजर आए। वे महंगे ठेके यानी अधिक रिजर्व प्राइज का विरोध कर रहे हैं। शराब के बड़े ठेकेदार अब भी अपने रवैए पर अडिंग हैं। सरकार पर दबाव बनाने के लिए ये बड़े ठेकेदार दूसरे दौर की टेंडर प्रक्रिया से दूर ही रहे। यह स्थिति राजधानी के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी रही।

बड़े ठेकेदारों ने बना रखी है दूरी

पूर्व में 11 फरवरी को भोपाल जिले में 33 ग्रुप की 90 शराब दुकानों के लिए ऑनलाइन टेंडर खोले गए थे। इनमें 11 ग्रुप की 32 दुकानें लेने के लिए छोटे-छोटे ग्रुप थे। बड़े ग्रुप ने पहले दौर की टेंडर में भी आगे नहीं आए और उन्होंने प्रक्रिया से भी दूरी बना ली थी। उस समय भी इनका विरोध ज्यादा प्राइज रेट को लेकर था। बड़े ठेकेदारों द्वारा टेंडर से दूरी बनाने के चलते ही एमपी नगर, दस नंबर और न्यू मार्केट ग्रुप की 58 दुकानों की नीलामी नहीं हो सकी थी। इसके चलते सरकार को सोमवार को दूसरी बार टेंडर प्रक्रिया अपनानी पड़ी, लेकिन इसमें भी अपने रुख पर अड़े रहे।

प्राइज रेट 10 से 15 फीसदी कम करने की तैयारी

जानकारी के अनुसार आबकारी विभाग प्राइज रेट 10 से 15 फीसदी कम करने के लिए पुनर्विचार प्रस्ताव सरकार को भेजने की तैयारी कर रहा है। इसकी वजह यह है कि ठेकेदार नई आबकारी नीति को महंगा और घाटे का सौदा बता रहे हैं। जानकारों के मुताबिक, पिछले साल शराब ठेकेदारों ने रिजर्व प्राइज से 30 प्रतिशत अधिक दरों पर बोली लगाई थी। इस बार नई आबकारी नीति के तहत सरकार ने 15 प्रतिशत प्राइज रेट बढ़ा दिए हैं। इस कारण पिछले साल की तुलना में इस बार प्राइज रेट 45 प्रतिशत ज्यादा हैं।

देकेदारों का मार्जिन कम

शराब ठेकेदार नई आबकारी नीति को महंगा और घाटे का सौदा बताकर इसके विरोध में उतर आए हैं। उनकी मांग है कि प्राइज रेट 15 फीसदी ही किया जाए। उनका कहना है कि नई नीति के तहत लोगों को 20 फीसदी सस्ती शराब मिलेगी।

ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर के जरिये ठगी करने वाले 06 लोगों को किया गिरफ्तार

सुरजीत सिंह ब्यूरो पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर-विगत कई दिनों से सूचना प्राप्त हो रही थी कि ग्वालियर जिलें के अन्दर फर्जी तरीके से मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर चला कर ठगी का गोरख धंधा किया जा रहा है। उक्त सूचना पर से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा अति0 पुलिस अधीक्षक शहर (पूर्व/अपराध) श्री राजेश डण्डोतिया को क्राइम ब्रांच की टीम बनाकर उक्त सूचना की तस्दीक करने हेतु मुखबिर तंत्र विकसित करने के लिये निर्देशित किया। जिस पर सूचना प्राप्त हुई कि आदर्श कॉलोनी में रिश्ते डॉट कॉम नाम से फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर चलाया जा रहा है। एस.एस.पी ग्वालियर द्वारा ए.एस.पी शहर-पूर्व/अपराध को अपराध शाखा की टीम बनाकर उक्त फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर संचालकों पर कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के परिपालन में व उप पुलिस अधीक्षक अपराध श्री रत्नेश सिंह तोमर तथा नागेन्द्र सिंह सिकरवार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी क्राइम ब्रांच द्वारा थाना बल की टीम बनाकर उक्त सूचना की तस्दीक हेतु मुखबिर के बताये स्थान पर भेंजा गया जहाँ पर आदर्श कॉलोनी बैंक ऑफ महाराष्ट्र के पीछे वाली गली में स्थित मकान पर रिश्ते डॉट कॉम नाम का बोर्ड लगा मिला। उक्त मकान के चौथी मंजिल पर जाकर देखा तो वहाँ पर एक कॉल सेन्टर संचालित किया जा रहा था। क्राइम टीम को मौके पर 02 लडकियॉ ग्राहको से फोन पर बात करती हुई मिली, उक्त दोनों लड़कियों से पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि बिरला नगर तथा बलवंत नगर निवासी दो महिलाओं द्वारा यह कॉल सेन्टर संचालित किया जाता है, हम लोगों को ग्राहको से बात करने के लिये फोन एवं सिम कार्ड भी संचालिका के द्वारा दिये जाते है। मेट्रीमोनियल रजिस्टेॠशन कराने के लिये हम लोग ग्राहको पर दबाब बनाते है, तथा उनसे कॉल सेन्टर के बैंक अकाउन्ट मे पैसे ट्रान्सफर करवाते है। ग्राहको द्वारा रूपये ट्रान्सफर करने के उपरान्त हम उनका नम्बर ब्लॉक कर देते है। रजिस्ट्रेशन की जानकारी हमारी डायरी एवं रजिस्टरों मे नोट रहती है। क्राइम टीम द्वारा कॉल सेन्टर की दोनों संचालिकाओं को पकड़कर उनसे पूछताछ करने पर दोनों संचालिकाओं द्वारा फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर के जरिये लोगों से ठगी करना स्वीकार किया गया।

क्राइम टीम द्वारा फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर संचालिकाओं पर धारा 419, 420 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियाओं से और अधिक पूछताछ करने पर उन्होने बताया कि काल्पी ब्रिज कॉलोनी स्थित भारती निवास में विवाह बंधन नाम का एक ओर कॉल सेन्टर चलाया जा रहा है। उक्त सूचना से वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराते हुये क्राइम टीम द्वारा काल्पी ब्रिज कॉलोनी स्थित भारती निवास पर दबिश देकर विवाह बंधन नामक कॉल सेन्टर पर चार लड़कियों को फोन पर बात करते हुये पकड़ा। पकड़ी गई लडकियों से पूछताछ करने पर बताया कि वे लोग पिछले 7-8 महीने से यहॉं काम कर रही है, हम लोगों को ग्राहको से बात करने के लिये फोन एवं सिम कार्ड भी कॉल सेन्टर संचालिका के द्वारा दिये जाते है। मेट्रीमोनियल रजिस्टेॠशन कराने के लिये हम लोग ग्राहको पर दबाब बनाते है, तथा उनसे कॉल सेन्टर के बैंक अकाउन्ट मे पैसे ट्रान्सफर करवाते है। ग्राहको द्वारा रूपये ट्रान्सफर करने के उपरान्त हम उनका नम्बर ब्लॉक कर देते है। रजिस्ट्रेशन की जानकारी हमारी डायरी एवं रजिस्टरों मे नोट रहती है। क्राइम टीम द्वारा कॉल सेन्टर संचालिका तथा उसके सहयोगी को पकड़कर उनसे पूछताछ करने पर दोनों के द्वारा फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर के जरिये लोगों से ठगी करना स्वीकार किया गया। क्राइम टीम द्वारा फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर संचालिका तथा उसके सहयोगी पर धारा 419, 420 भादवि का प्रकरण पंजीबद्ध कर दोनों आरोपियाओं से और अधिक पूछताछ करने पर दोनों ने बताया कि वह पिछले एक वर्ष से कॉल सेन्टर संचालित कर रहे है। हमारे एक सहयोगी द्वारा भी सत्यदेव नगर श्रीजी अपार्टमेन्ट में ऑनलाइन मैचिंग सेन्टर नाम से फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टर संचालित किया जा रहा है। जिसमे उनके पास से रजिस्टर, मोबाइल फोन व सिम कार्ड आदि बरामद हुये।

सराहनीय भूमिका

उक्त फर्जी मेट्रीमोनियल कॉल सेन्टरों पर कार्यवाही करने में थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच निरीक्षक दामोदर गुप्ता, उनि0 नरेन्द्र सिसोदिया, धर्मेन्द्र शर्मा, हरेन्द्र सिंह राजपूत, राजीव विरथरे, कीर्ती अजमेरिया, महावीर सिंह, आर0 प्रमोद शर्मा, राहुल यादव, देवेश, देववृत तोमर, ओमशंकर सोनी, सुमित भदौरिया, शिवशंकर, गौरव पंवार, सुनील शर्मा तथा मआर0 राखी बैस, सुनीता की सराहनीय भूमिका रही है।

हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजे शिवालय

ग्वालियर में प्रसिद्ध कोटेश्वर, अचलेश्वर, गुप्तेश्वर, मारकंडेश्वर मंदिरों पर उमड़ी भक्तों की भीड़

ग्वालियर। महानगर ग्वालियर में रात्रि के 12 बजते ही शिवालयों पर भक्तों का पहुंचना शुरू हो गया और हर-हर महादेव के जयघोष से शिवालय गूंज उठे। प्रशासन द्वारा रात्रि में ही व्यवस्था चाक-चौबन्द कर मंदिर के पट खोल दिये गये थे। रात्रि में भक्तों ने बड़े आराम से दर्शन किये, लेकिन सुबह होते-होते लम्बी-लम्बी कतारें मंदिरों के बाहर दिखाई देने लगीं। जिससे कई घंटों ट्रैफिक जाम की समस्या का भी लोगों को सामना करना पड़ा।

जगह जगह लगे स्टॉल

अचलेश्वर और कोटेश्वर मंदिर पर जगह-जगह भक्तों के फलाहार के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी। जगह-जगह स्टॉल लगे थे, जिनमें भक्तों को पानी और फलाहार की व्यवस्था भी की गई थी।

अचलेश्वर मंदिर पर पहुंचे कांवड़िये

शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में से एक अचेलश्वर महादेव पर रात 12 बजे से ही कांवड़ लेकर शिवभक्त आना शुरू हो गए थे। पहले उनके लिए गर्भगृह के पट खोले गए। अचलेश्वर महादेव, कोटेश्वर महादेव व गुप्तेश्वर महादेव का अभिषेक किया गया। इसके बाद शिव मंदिरों को आम भक्तों के लिए खोल दिया गया। दोपहर तक एक लाख से ज्यादा लोग दर्शन करने पहुंच चुके थे। यह पहला मौका है जब कोरोना काल के बाद किसी त्योहार पर मंदिरों में इतनी संख्या में भीड़ नजर आ रही थी।

कोटेश्वर महादेव मंदिर पर लगी लबी-लंबी लाइनें

कोटेश्वर महादेव पर भी लगभग यही हाल था। यहां भी रात 12 बजे से शिव भक्त पहुंचना शुरू हो गए थे। कोविड गाइडलाइन का पालन करते हुए इस बार अंदर प्रसाद के काउंटर नहीं लगाए गए। मंदिर में दर्शन के लिए रात से ही शहर के लोगों का मंदिर में आना शुरू हो गया था। मंदिर के बाहर भक्तों की कतार थी।

गुप्तेश्वर महादेव

गुप्तेश्वर पहाड़ी पर बना गुप्तेश्वर महादेव मंदिर पर भी हजारों की संख्या में शिवभक्त पहुंच रहे हैं। आसपास के गांव और जनकगंज से रात 12 बजे से ही लोग मंदिर पहुंचना शुरू हो गए थे। यहां मास्क पहनकर नहीं आने वाले शिवभक्तों को मंदिर प्रबंधन ने मास्क बांटे। कोविड गाइडलाइन का पालन लोग करते नजर नहीं आ रहे हैं।

बाजारों से निकली शिव बारात

गुप्तेश्वर मंदिर से मंगलवार दोपहर 12 बजे शिव बारात भी निकाली गई। महाशिवरात्रि पर गुप्तेश्वर सेवा संघ द्वारा निकाली जाने वाली शिव बारात गुप्तेश्वर मंदिर से निकलकर जनकगंज, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, ऊंटपुल, इंदरगंज चौराहे से होती हुई अचलेश्वर मंदिर पहुंची। रास्ते में कई जगह बारात का स्वागत किया गया। यह भी शहर का अदभुत नजारा होता है। बारात में हजारों शिव भक्त शामिल हुए।

हजारों जवानों ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था, रही चौकस व्यवस्था

शहर के प्रमुख मंदिर अचलेश्वर, कोटेश्वर, गुप्तेश्वर, भूतेश्वर समेत करीब 30 से ज्यादा मंदिरों पर भक्तों की सुबह से भीड़ सुबह से देखी जा रही थी। जिसके चलते शिव मंदिरों के पास हजारों जवानों ने व्यवस्था संभाल रखी थी। करीब एक हजार से ज्यादा पुलिस जवान व अफसर सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बड़े मंदिरों के बाहर अस्थायी पुलिस चौकी बनाई गई थी, जिससे किसी शिव भक्त के साथ कोई घटना या वारदात हो जाती है तो तत्काल मदद दी जा सके।

संकट मोचन मंदिर गोलपाड़ा में धूमधाम से मनाई गई महाशिवरात्रि

ग्वालियर। डम डम डम डमरू बाजे और शिव के तांडव नृत्य को देखकर ऐसा लग रहा था जैसे यहां कोई भूचाल आने वाला है। वहीं शिव जीने डाली पार्वती मइया को वर माला यह दृश्य किला गेट के पास स्थित गोलपा?ा में संकट मोचन मंदिर में महाशिवरात्रि पर चल रहे कार्यक्रम में भगवान शिव द्वारा किये गए तांडव नृत्य का था। यह नृत्य देखकर श्रद्धालु मंत्रमुग्ध हो गए। संकट मोचन हनुमान बालाजी मंदिर गोल पाड़ा के चरण सेवक जगबीर दास तोमर ने बताया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी गोल पाड़ा बाला जी मंदिर में स्थापित शंकर जी की प्रतिमा एवं शिवलिंग का विधिवत पूजन किया गया। साथ ही मंगलवार होने के कारण हनुमान जी महाराज को जो कि शंकर भगवान के ग्यारहबे रुद्र हैं को शिव जी के रूप में श्रंगार किया गया। शाम को 6¬30 बजे से फलाहारी व्यंजनों का वितरण शुरू हुआ जो देर रात तक चलता रहा।दो तरह की ठंडाई भोले बाबा की भांग के साथ एवं सादा ठंडाई भी भक्तों को वितरित की गई। इसके बाद प्रतिदिन चल रहे महा यज्ञ में महामृत्युंजय मंत्रों से एवम शिवजी के प्रमुख मंत्रों से हवन में आहुतियां दी गईं। मंदिर में विशेष कार्यक्रम के रूप में शिवजी की सजीव झांकी लगाई गई। भोले बाबा सजीव रूप से लोगों के आकर्षण और आस्था का केंद्र रहे।

संक्षिप्त समाचार

आज 2 मार्च को रोशनीघर पर कांग्रेस का विशाल धरनाः डॉ देवेन्द्र शर्मा

ग्वालियर। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा ने आज बताते हुए कहा कि बिजली के बिलो मे लूट खसोट, मैंटनेंस के नाम पर घोषित अघोषित बिजली कटौती एवं बिजली के बिलो में अधिक धन वसूली के सुधार में परेशान नागरिको को राहत दिलाने के लिए आज दिनांक 2 मार्च को रोशनीघर पर सांयकाल 4 बजे कांग्रेस पार्टी के द्वारा विशाल धरना देकर समस्त बिजली उपभोक्तांओ का राहत दिलाने की पहल की जाएगी। शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष डॉ देवेन्द्र शर्मा ने बताया कि मप्र में सरकार परिवर्तन के बाद ग्वालियर महानगर में निरंतर घरेलू एवं ओद्यौगिक व्यापारिक दुकानदारो को अत्याधिक बिजली का बिल भेजेकर आर्थिक रूप से परेशान किया जा रहा है और मेंटेनेंस के नाम पर घोषित अघोषित बिजली कटौती से हर तरफ परेशानी का माहोल है, प्रातः जब पानी आत है तो बिजली चली जाती है, बिजली आती है तब पानी चला जाता है, जब कारोबार प्रारंभ होता है तब बिजली चली जाती है। मप्र की सरकार बिजली के नाम पर जनता के साथ धोखाधड़ी कर रही है जिसको लेकर आज दिनांक 2 मार्च को रोशनीघर पर सांयकाल 4 बजे कांग्रेस पार्टी द्वारा विशाल धरना दिया जाएगा।

फौजी से 85 हजार रुपए की ठगी

सेना के नायक को सम्मोहित कर ठगों ने ले लिया एटीएम, मोबाइल और पर्स, खाते से निकाले रुपए, झांसी यूपी में पकड़े दो ठग

ग्वालियर । ग्वालियर में छुट्टी से वापस लौट रहे एक सेना के जवान के साथ दो बदमाशों ने ठगी की है। स्टेशन के बाहर ट्रेन की जानकारी लेने के लिए दो ठगों ने जवान को रोका और सम्मोहित कर दिया। इसके बाद उससे उसका पर्स, मोबाइल व एटीएम कार्ड ले लिया। ठगों ने एटीएम से 85 हजार रुपए निकाल लिए। घटना स्टेशन और मानसिंह चौराहा एटीएम के बीच की है। जब ठग निकल गए तो सेना के जवान को होश आया। ठगी का अहसास होते ही प?ाव थाना पहुंचकर मामले की जानकारी दी। सम्मोहित होने के बाद फौजी ने 60 हजार रुपए अपने दोस्तों से खाते में मंगाए थे। जिन्हें भी ठगों ने निकाल लिया।

86 वीं त्रिमूर्ति शिवजयंती , शिव ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न

ग्वालियर । प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय प्रभु उपहार भवन माधौगंज सेंटर पर 86वीं शिवजयंती के उपलक्ष्य में शिव ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इसके साथ ही कार्यक्रम की शुरुवात दीपप्रज्वलन के साथ की गई।कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ.प्रियंवदा भसीन (अध्यक्ष आईएमए ग्वालियर, चेयरमैन अपोलो हॉस्पिटल और रतन ज्योति नेत्रालय ग्वालियर), डॉ.सुनील अग्रवाल(प्रोफेसर सर्जरी गजरा राजा मेडिकल कॉलेज ग्वालियर, अध्यक्ष मध्यप्रदेश प्रोग्रेसिव मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन), कमल माखीजानी (जिला अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी), ब्रह्माकुमारिज लश्कर ग्वालियर की मुख्य संचालिका बी.के. आदर्श दीदी, बी.के.ज्योति बहन, बी.के. डॉ. गुरुचरण भाई और बी.के.प्रहलाद भाई, बी.के. महिमा बहन उपस्थित थी।कार्यक्रम के शुभारंभ में बी.के.आदर्श दीदी जी ने पावन पर्व महाशिवरात्रि (शिवजयंती) की हार्दिक शुभकामनाएं सभी को दी कार्यक्रम में डॉ.प्रियंवदा , कमल माखीजानी ने अपने विचार रखे ।तत्पश्चात डॉ. गुरचरण सिंह ने भी अपनी शुभकामनाएं दीं । कार्यक्रम का कुशल संचालन बी.के.ज्योति बहन ने किया और आभार बी.के.प्रहलाद भाई के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में संस्थान से जुड़े सैकड़ो श्रद्धालु उपस्थित थे।

मुनिश्री ने जैन मिलन ग्वालियर ने मुनिराजों का भव्य चातुर्मास कराया

मुनिश्री ने जैन मिलन ग्वालियर टीम को जिनशासन प्रभावन मंच की उपाधि से सम्मनित किया

जैन मिलन ग्वालियर ने सभी मुनिराजों व समाज का आभार व्यक्त किया।

ग्वालियर-राष्ट्रसंत मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ससंघ का 2 साल का भव्य चातुर्मास करने वाली जैन समाज अग्रणी संस्था जैन मिलन ग्वालियर को जिनशासन प्रभावन मंच की उपाधि से जैन सिध्दक्षेत्र गोपाचल पर्वत पर प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि जैन मिलन ग्वालियर ने मुनिराजों का सन 21 व 22 दो साल ग्वालियर में ऐतिहासिक भव्य चतुर्मास कराया गया। मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ससंघ की ओर से अजीत वरैया, सिंघई महेशचंद जैन गुरु, पवन जैन पत्रकार ने जैन मिलन ग्वालियर संस्था के निर्मल पाटनी, विकास गंगवाल, अध्यक्ष योगेश बोहरा, सचिव आशीष जैन, संजीव जैन, विनय कासलीवाल, रत्न अजमेरा, पंकज बाकलीवाल, सिंघई विमल जैन, मिखिल जैन रोहित जैन अतुल टोंग्या की टीम मेम्बरों को जिनशासन प्रभावन मंच की उपाधि देकर सम्मानित किया।

ज्ञानी मानसरोवर हंस की तरह अच्छे बुरे का विवेक रख सकता है -मुनिश्री

मुनिश्री विहर्ष सागर महाराज ने कहा कि ज्ञान ही आत्मा का प्रथम गुण है। जिस संस्कार से मोक्ष की प्राप्ति हो, ऐसे संस्कार जिससे मिलें वह सम्यकज्ञान है। अक्षर, शब्द,भाषा, अर्थ, भावना, अनुप्रेक्षा, धारणा आदि ज्ञान के सामान्य भेद है। धारणा ज्ञान से ही संस्कार दृढ होते हैं। हमारी श्रद्धा को स्थिर करने का काम ज्ञान करता है। ज्ञान से ही विवेक प्रकट होता है जिससे सत्ता संपत्ति धन यौवन शक्ति शोभनीय होती है। ज्ञानी मानसरोवर हंस की तरह अच्छे बुरे का विवेक और दृष्टि रख सकता है जबकि अज्ञानी भूंड के समान दुर्विचार कषाय के गटर में ही रहना पसंद करता है।

गौ प्रण सेवा संस्थान की अनूठी पहल

गौ सेवा के लिए आगे आएं, बेजुबानों का बनें सहारा : विष्णु प्रताप सिंह भदौरिया

हर घर में हो गाय की पूजा और सेवा , बाँट रहे है गाय माता की मूर्ती, दिला रहे संकल्प

ग्वालियर । गाय के सेवा ले लिए समर्पित संस्था गौ प्रण ने हर घर में हो गाय की पूजा और सेवा के लिए एक अनूठा अभियान चलाया है ,संस्था के सदस्य गाय माता की मूर्ती को घर -घर पहुंचा रहे है और आग्रह कर रहे है कि इसे अपने पूजा घर में रखे और हर दिन इसकी पूजा करें।

गौ प्रण संस्था अध्यक्ष रामकुमार सिंह चौहान ,सचिव विष्णु प्रताप सिंह भदोरिया ने बताया कि हर घर में हो गाय की पूजा और सेवा इस संकल्प के साथ वह निस्वार्थ भाव से सेवा कर रहे है। इस अभियान की शुरुआत संस्थान ने फागुन माह की शुरुआत से की है . व्रंद्घावन घाम ,माँ कैला देवी और मेह्नदीपुर बालाजी से अभियान को शुरू करने के बाद गत दिवस गोविन्द पुरी स्थित पूर्व प्राचार्य श्रीमती कमला देवी श्रीवास्तव , काशी पूरा में प्राणवी छोटे बाबा ,विनीता सहित कई गो सेवको के घर गाय माता की मूर्ती को स्थापित कराया और गाय की सेवा का संकल्प दिलाया।

गौ प्रण संस्था अध्यक्ष रामकुमार सिंह चौहान ,सचिव विष्णु प्रताप सिंह भदोरिया एवं उनके साथी टीम समाज में लगातार इसके लिए अपील कर रहे हैं। वे कहतें है कि हमें गौ माता की सेवा के लिए हर हाल में आगे आना होगा। गौ माता की सेवा के लिए एक दो रोटी ही काफी है, आज हम एक दो रोटी खिला रहे हैं,कल कोई और खिलाएंगे ऐसा करके एक चैन बना लेंगे जिससे यह होगा कि दर-दर भटक रहे गौ माता को सहारा मिल जाएगा।उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति की मूल में गौ माता भी है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478